सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 96 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 10 मई, 2024

मूल्य ₹ 3/-

छोटी चीजों में वफादार रहिये क्योंकि इन्हीं में आपकी शक्ति निहित है।
–मदर टेरेसा

आरसीबी की प्लेऑफ में पहुंचने की... 7 | दक्षिण के रण में अपने-अपने... 3 | तीन चरणों में पिछड़ी भाजपा, आगे... 2

कन्नौज में राहुल-अखिलेश का पीएम मोदी पर तीखा प्रहार

बीजेपी सरकार ने कोरोना में गांव-गांव श्मशान बना दिया : राहुल

» इंडिया गठबंधन की रैली में जुटी अपार भीड़

» आप नेता संजय सिंह भी हुए शामिल

» सपा प्रमुख ने कहा- 4 जून के बाद सब कुछ बदला नजर आएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कन्नौज। तीसरे चरण के चुनाव के लिए यूपी में प्रचार अपनी तेजी पर आ गया है। शुक्रवार को इंडिया गठबंधन की संयुक्त रैली कन्नौज में शुरू हो गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, सपा नेता अखिलेश यादव व आप नेता संजय सिंह ने रैली को संबोधित किया। तीनों नेताओं ने बीजेपी व मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला। इन नेताओं ने कहा कि चौथे चरण के चुनाव के बाद इंडिया गंठबंधन का तूफान आएगा।

उन्होंने कहा इसबार जनता ने तानाशाही सरकार को उखाड़ फेंकने का मन बना लिया है। 4 जून के बाद इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। वहीं बसपा प्रमुख मायावती ने भी वहां पर रैली को संबोधित किया। बसपा प्रमुख मायावती ने इलेक्टोरल बांड के मामले में अपनी पार्टी को पाकसाफ बताया है। बसपा कभी धन्ना सेठों से पैसे नहीं लेती, यह बात सुप्रीम कोर्ट के खुलासे से साफ हो चुका है। बसपा अपने कार्यकर्ताओं और उम्मीदवारों से मिले आर्थिक सहयोग से ही गतिविधियां संचालित करती है। भाजपा के लोग धन्ना सेठों से रुपये लेकर उनके मुताबिक नीतियां बना रहे हैं।

फोटोः सुमित कुमार

कन्नौज में सारे काम समाजवादियों के कराए हुए : अखिलेश

इसके अलावा अखिलेश यादव ने सपा संस्थापक रहे मुलायम सिंह यादव समेत तमाम नेताओं को याद किया। अखिलेश ने कहा कि मैंने कभी कन्नौज को छोड़ा नहीं। उन्होंने कहा कि कन्नौज में आज जो भी काम दिखाई दे रहे हैं वो सारे काम समाजवादियों के कराए हुए हैं। कोई भी इस पर चला हो हमने कभी हाईवे को धुलवाया नहीं। अखिलेश ने कहा कि कन्नौज की जनता ऐसे लोगों को नहीं जिताएगी जो हमारे और आपके बीच दीवार बनकर खड़े हैं। सपा प्रमुख ने कहा कि चोरों में झगड़ा तभी होता है जब उसका बंटवारा ठीक से न हो। हमें वो दिन भी याद आ रहा जो लोग कहते थे कि बादलों के राडार से दिखाई नहीं देता। नाले के गैस से चाय बनाई जा सकती है। आज वही और उनके लोग वैक्सीन पर ज्ञान दे रहे हैं। उनको तो यह भी पता होगा कि जो वैक्सीन लग गई है वह कैसे निकाली जाएगी।

भाजपा जीतेगी तो संविधान खत्म हो जाएगा : संजय

वहीं, संजय सिंह ने कहा कि अखिलेश यादव जी की कन्नौज से बहुत बड़ी जीत होने जा रही है। ये लोकतंत्र का आखिरी चुनाव है, भाजपा जीतेगी तो संविधान खत्म हो जाएगा। अखिलेश यादव पांच साल मुख्यमंत्री रहे हैं। ऐसे में भाजपा की नफरत देखिए, मुख्यमंत्री आवास को गंगा जल से धुलवाकर उनका अपमान किया गया है। वहीं, अब कन्नौज में अखिलेश जी मंदिर में गए, तो वहां भी भाजपा वालों ने गंगा जल से धोकर उनका अपमान किया।

इस बार पीएम नहीं बनेंगे मोदी : राहुल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि यूपी में इंडिया गठबंधन का तूफान आ रहा है। आप लिखकर ले लो कि बीजेपी की यूपी में सबसे बड़ी हार होने जा रही है। राहुल गांधी ने कहा, 10 साल नरेंद्र मोदी ने अडानी और अंबानी का नाम नहीं लिया, लेकिन जब डर गए तो अपने दो मित्रों का नाम लिया और कहा कि आकर मुझे बचाओ। इंडिया गठबंधन ने मुझे घेर लिया है। उन्होंने आगे कहा कि इस बार नरेंद्र मोदी पीएम नहीं बनेंगे। जनसभा को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि अडाणी-अंबानी पर घेरा, तो अब मोदी जी का मुंह खुल गया। यह लोग स्कूल, अस्पताल, बिजली, सड़क नहीं बना सकते हैं।

बृजभूषण के खिलाफ आरोप तय करने पर आदेश सुनाएगा राउज एवेन्यू कोर्ट

» यौन उत्पीड़न के मामले में चल रहा था केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट शुक्रवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ छह महिला पहलवानों द्वारा उनके खिलाफ दर्ज कराए गए यौन उत्पीड़न मामले में आरोप तय करने पर आदेश सुनाने के लिए तैयार है।

दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट शुक्रवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ छह महिला पहलवानों द्वारा उनके खिलाफ दर्ज कराए गए यौन उत्पीड़न मामले में आरोप तय करने पर आदेश सुनाने के लिए तैयार है। शुरू में मंगलवार के लिए निर्धारित आदेश को अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट प्रियंका राजपूत ने स्थगित कर दिया था।

सिंह की याचिका खारिज

इससे पहले 26 अप्रैल को राउज एवेन्यू कोर्ट ने भूषण की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने मामले में अतिरिक्त जांच की मांग की थी। उन्होंने दावा किया कि वह 7 सितंबर, 2022 को कथित यौन उत्पीड़न की घटना के दौरान देश में मौजूद नहीं थे, उन्होंने कहा कि वह उस समय सर्बिया में थे। सिंह ने नई दिल्ली में भारतीय कुश्ती महासंघ कार्यालय में एक कथित घटना से संबंधित कोच विजेंदर के कॉल डिटेल रिकॉर्ड को प्रस्तुत करके अपने दावे का समर्थन किया।

केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर बहस

» ईडी की दलीलें बढ़ा सकती हैं मुश्किलें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ईडी ने कहा- प्रचार करना न संवैधानिक अधिकार है और न ही मौलिक अधिकार

केजरीवाल की कानूनी टीम ने ईडी के हलफनामे के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री में शिकायत दर्ज कराते हुए कहा है कि यह कानूनी प्रक्रियाओं की अवेहलना है और कोर्ट की मंजूरी के बिना पेश किया गया है। ईडी ने दायर हलफनामे में कहा है कि ऐसा होने से कानून का उल्लंघन करने वाले हर अपराधी को राजनीतिज्ञ बनने और वर्ष भर प्रचार के मोड में रहने का प्रोत्साहन मिलेगा।

नई दिल्ली। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत दिए जाने पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। ईडी व केजरीवाल के वकील अपी-अपनी दलील रख रहे है। उधर सुप्रीम कोर्ट में मनी लांड्रिंग मामले की सुनवाई के दौरान जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत दिए जाने का संकेत जरूर मिला था लेकिन संभवतः शुक्रवार को आने वाले फैसले से पहले ईडी ने जो हलफनामा पेश किया है, वह इस फैसले को मुश्किल बना सकता है।

ईडी ने कहा है कि आज तक किसी भी राजनेता को चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत नहीं दी गई चाहे जेल में बंद वह व्यक्ति स्वयं भी प्रत्याशी क्यों न रहा हो, जबकि केजरीवाल तो उम्मीदवार भी नहीं हैं। कई उदाहरण हैं कि अपराधी जेल से ही चुनाव लड़े और जीत भी गए।

सशर्त मिल सकती है जमानत!

राजनेता आम आदमी से ऊपर होने और विशेष दर्जे का दावा नहीं कर सकता। सुप्रीम कोर्ट केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर शुक्रवार को आदेश दे सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा था कि मामले की सुनवाई जल्दी पूरी होने की उम्मीद नहीं है। ऐसे में कोर्ट लोकसभा चुनाव को देखते हुए केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने पर विचार कर सकता है। हालांकि कोर्ट ने केजरीवाल के सामने शर्त रखी थी कि अगर उन्हें चुनाव प्रचार के लिए जमानत दी जाती है तो वह मुख्यमंत्री के तौर पर काम नहीं करेंगे और न ही किसी फाइल पर हस्ताक्षर करेंगे। ईडी ने चुनाव प्रचार के लिए केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने का विरोध किया है।

तीन चरणों में पिछड़ी भाजपा, आगे हो जाएगी साफ : अखिलेश

» बोले- भाजपा की सरकार आई तो खत्म हो जाएगा लोकतंत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बहराइच। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि जनता ने पहले, दूसरे और तीसरे चरण के मतदान में भाजपा को काफी पीछे कर दिया है। चौथे और पांचवें चरण के मतदान में आप लोग मतदान कर इनके मंसूबों को रोकने का काम करें। सपा नेता सपा प्रत्याशियों के पक्ष में जनसभा को संबोधित करने के लिए पहुंचे थे। पूर्व मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से दोपहर पुलिस लाइन पहुंचे। इसके बाद वह चार पहिया वाहन से शहर के गेंद घर मैदान पहुंचे।

पूर्व मुख्यमंत्री का सपा पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से स्वागत किया। अखिलेश भैया जिंदाबाद के नारे लगाए। बहराइच, कैसरगंज और गोंडा के प्रत्याशियों के समर्थन में उन्होंने सभा को 12.40 बजे संबोधित करना शुरू किया। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा पूरे ब्रह्मांड की सबसे बड़ी झूठी पार्टी है। जबकि वह विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनने का दावा करती है लेकिन विकास के नाम पर काफी पीछे है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने डबल इंजन की सरकार में किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया लेकिन किसानों की कमाई को बिचौलियों के हाथ में सौंप दिया।

हरियाणा सरकार के अल्पमत में आने के सवाल पर सपा मुखिया ने कहा कि हरियाणा ही नहीं चार जून के बाद भाजपा यूपी की चिंता करे। क्रिश्चियन कॉलेज मैदान में चुनावी सभा को संबोधित करने के बाद अखिलेश यादव ने दावा किया कि भाजपा को अब अपनी हार दिख गई है। इस कारण वह खिसिया गए हैं। संभल सहित कई स्थानों पर पुलिस लगाकर उन बूथों को प्रभावित करने का प्रयास किया गया जहां समाजवादी पार्टी के वोट थे, लेकिन उन्हें खुशी है कि समाजवादी पार्टी का कार्यकर्ता डरा नहीं। उन्होंने परिणाम घोषित होने के अंदाज में कहा कि आमला, बदायूं, मैनपुरी सहित आसपास की सभी सीटें भाजपा हार गई। यह बात लखनऊ व दिल्ली से आने वाले भाजपा नेताओं के भाषण में नजर आने लगी है। जनता उन्हें हरा रही है। पूरा पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) परिवार एक है और सपा को समर्थन कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि नौकरियां खत्म कर सरकार आउट सोर्सिंग से कर्मचारी ले रही है। सरकारी विभागों का निजीकरण किया जा रहा है। इससे युवा नाराज हैं। अब इनकी मनमर्जी नहीं चलेगी। यह पुरानी बातें चुनाव में उठा रहे हैं। फर्रुखाबाद में ही मां गंगा को साफ नहीं कर पाए।

चार जून के बाद यूपी की भी चिंता करे बीजेपी

हमारी सुरक्षा में लगे पुलिसकर्मी भी बनेंगे अग्निवीर

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने 4 साल के लिए अग्निवीर योजना शुरू की है। इससे युवाओं में नाराजगी है। अगर भारतीय जनता पार्टी की फिर सरकार बनी तो हमारी और आपकी सुरक्षा में लगे पुलिसकर्मियों को भी अग्निवीर योजना में शामिल कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यहां मौजूद भीड़ बता रही है कि आने वाले चौथे और पांचवें चरण में गठबंधन प्रत्याशियों को बहुमत मिलेगा। अखिलेश यादव ने कहा कि पहले, द्वितीय और तृतीय चरण के चुनाव में जनता ने भाजपा के झूठ की हवा निकालते हुए उनके मंसूबों को पर पानी फेर दिया है। पूर्व सीएम ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में विकास का कोई जिक्र नहीं किया जा रहा सिर्फ हिंदू और मुस्लिम में लड़ाया जा रहा है। इस दौरान सभी प्रत्याशी और काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इंजन हुआ खराब

अखिलेश यादव ने कहा कि अभी वह बहराइच के पुलिस लाइन में हेलीकॉप्टर से उतरे। उसके बाद वहां से गेंद घर के लिए रवाना हुए रास्ते में उन्होंने देखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बोर्ड लगा हुआ है जिसमें डबल इंजन की सरकार का स्लोगन ही गायब है। उन्होंने कहा कि पोस्टर से ही साबित हो रहा है कि जनता इनके साथ नहीं है।

रायबरेली में तेज होंगे नेताओं के दौरे, बीजेपी को ललकारेगी राहुल-अखिलेश की जोड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायबरेली। रायबरेली लोकसभा सीट आने वाले दिनों में देश की सबसे हॉट सीट होने जा रही है। भाजपा और इंडिया गठबंधन दोनों ही यहां अपनी पूरी ऊर्जा लगाने जा रहे हैं। 40 डिग्री से ऊपर तापमान के बीच कांग्रेस चुनावी रण में उतरकर माहौल बना रही है। इसमें राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी हर विधानसभा क्षेत्र में जनता के बीच जाकर गांवों की खाक छानकर भाई राहुल गांधी के लिए वोट मांग रही हैं। कांग्रेस के बाद अब फायर ब्रांड नेताओं के जरिए भाजपा सियासी तपिश बढ़ाने की तैयारी में है।

» शाह-योगी की होंगी सभाएं
» पीएम का रोड शो प्रस्तावित

भाजपा जातीय समीकरण साधने के लिए उसी जाति के मंत्रियों को भी मैदान में उतार रही है। संसदीय सीट रायबरेली में भाजपा, कांग्रेस-सपा गठबंधन और बसपा प्रत्याशी मैदान में हैं, लेकिन भाजपा और गठबंधन के बीच सियासी गर्मी रोज बढ़ रही है। 20 मई को होने वाले मतदान को लेकर यह दल ताकत लगाए हैं। भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह के लिए गृहमंत्री अमितशाह 12 मई को आएंगे और शहर के राजकीय इंटर कॉलेज मैदान में जनसभा को संबोधित करेंगे। 13 मई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आएंगे और लालगंज के ऐहार में जनसभा को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी भाजपा यहां लाकर रोड शो कराने की तैयारी में है। ऐसा भी हो सकता है कि अमेठी और रायबरेली की संयुक्त जनसभा भी कराई जाए। अभी तक इस पर मोहर नहीं लग सकी है।

राहुल-अखिलेश की संयुक्त सभा

गठबंधन की जनसभा की तैयारी सपा के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र यादव ने बताया कि राहुल गांधी और अखिलेश यादव की संयुक्त जनसभा होनी है, लेकिन अभी स्थान तय नहीं है। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी ने बताया कि राहुल गांधी 13 मई को आ सकते हैं। बसपा के जिलाध्यक्ष बालकुमार गौतम ने बताया कि अभी किसी बड़े नेता का कार्यक्रम नहीं है।

पूजा-पाठ के बाद निकली अजय राय की नामांकन यात्रा

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और इंडी गठबंधन के प्रत्याशी अजय राय शुक्रवार को नामांकन के लिए निकले। वह सुबह 6:30 बजे पैदल लोहटिया पर बड़ा गणेश मंदिर में दर्शन और पूजन करने के लिए निकले। यहां से फिर बाबा काल भैरव के दर्शन किया और इसके बाद बाबा विश्वनाथ का दर्शन-पूजन कर सुबह 9 बजे बेनिया बाग में राजनारायण पार्क पहुंचे। यहां राजनारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर साइकिल से नामांकन के लिए रवाना हुए। सुरक्षा को लेकर प्रशासनिक अमला जगह-जगह तैनात रहा। राजनारायण पार्क से लहुराबीर पार्क पहुंचेंगे, यहां चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे और फिर मलदहिया पर सरदार पटेल की मूर्ति पर माल्यार्पण कर समर्थकों के साथ नदेसर के लिए रवाना होंगे। यहां मिंट हाउस में स्वामी विवेकानंद की मूर्ति पर माल्यार्पण करेंगे। इसके बाद कचहरी पहुंचेंगे। यहां महात्मा गांधी, भीमराव आंबेडकर और कर्पूरी ठाकुर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे।

पलायन, अराजकता और भ्रष्टाचार का खामियाजा भुगत रहा झारखंड : सीतारमण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आरोप लगाया कि झारखंड बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार, पलायन और अराजकता का खामियाजा भुगत रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के शासन में बदलाव समय की जरूरत है। सीतारमण ने झारखंड की राजधानी रांची में आयोजित एक कार्यक्रम में यह भी कहा कि झारखंड के प्रति सौतेले व्यवहार के आरोप पूरी तरह से निराधार हैं।

उन्होंने कहा कि उद्योगों को मजबूत करने से पूर्वी भारत देश के लिए विकास का इंजन बन सकता है। कारोबार सुगमता के मामले में झारखंड शीर्ष पांच राज्यों में शामिल हुआ करता था। लेकिन अब यहां जंगल राज कायम है। अगर कानून व्यवस्था में सुधार हुआ तो राज्य अधिक निवेश आकर्षित करेगा... झारखंड में शासन में बदलाव समय की जरूरत है। प्रधानमंत्री द्वारा राज्य के प्रति सौतेला व्यवहार करने के विपक्ष के आरोप निराधार हैं... झारखंड को 2024-25 के बजट में रेल परियोजनाओं के लिए रिकॉर्ड 7,200 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे।

मोदी सरकार ने लोगों को ठगने का काम किया : तेजस्वी यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। तेजस्वी यादव ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी की सरकार जो सिर्फ जुमलेबाजी करती है। हिंदू-मुस्लिम कर वोट की राजनीति कर रही है। मोदी सरकार में आज तक मुद्दे की बात नहीं की गई। सिर्फ लोगों को ठगने का काम किया गया है। वह रोजगार और विकास पर बात नहीं करते हैं। वह केवल मुद्दों से हटकर बातें करते हैं।

तेजस्वी यादव ने लोगों से अवधेश राय के पक्ष में मतदान करने की अपील की है । पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव एवं पूर्व मंत्री मुकेश साहनी आज बेगूसराय पहुंचे। बछवारा विधानसभा क्षेत्र के रानी एक पंचायत में जनसभा को संबोधित किया। महागठबंधन से सीपीआई के उम्मीदवार अवधेश राय के पक्ष में चुनाव चुनावी सभा को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री मुकेश सहनी ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नहीं चाहते कि एक मल्लाह का बेटा मंत्री बने। इसीलिए जब बिहार में उनके चार विधायक थे तो उन्होंने विधायकों को खरीदने का काम किया गया।

पीएम मोदी, शाह और राजनाथ को छोड़ बाकी नेता चिंटू-पिंटू

पूर्व सांसद और दिग्गज नेता रंजन यादव राष्ट्रीय जनता दल में शामिल हो गए। उन्होंने पार्टी कार्यालय में राजद की सदस्यता ली। उन्हें लालू प्रसाद यादव के करीबी व राज्यसभा सांसद मनोज झा और राजद प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने सदस्यता दिलाई। पत्रकारों से बातचीत के दौरान राज्यसभा सांसद मनोज झा ने पीएम मोदी और एनडीए पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी की भाषा और भाव आपत्तिजनक है। जिस व्यक्ति को आपने अशोभनीय टिप्पणियों से नवाजा है न, वह व्यक्ति आपको बहुमत हासिल करने नहीं दे रहा है। हमारी वो ट्रेनिंग नहीं रही है। हमलोग अशोभनीय और गलत टिप्पणी नहीं करते हैं। सांसद मनोज झा ने कहा कि प्रधानमंत्री जी को अपने साथ आईना रखना चाहिए। इतने बड़े लाव-लश्कर के चलते हैं। बादशाह वाली प्रवृति है। बादशाह वाला आचरण है। बादशाह वाले कपड़े पहनते हैं। एक बादशाह आईना रख ले तो क्या दिक्कत है?

इस बार हरसिमरत कौर की जमानत जब्त होगी : मान

» बोले- वोटर भी तैयार पंजाब के हितों के लिए वोट दें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुनाम (ऊधम सिंह वाला)। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दावा किया कि बठिंडा के मतदाता अकाली दल की प्रत्याशी हरसिमरत कौर बादल की जमानत जब्त कराने को तैयार बैठे हैं । बादल परिवार में वे ही रह गई हैं जिन्हें हारना है।

मान ने कहा कि मालवा के लोग फिर रवायती पार्टियों को सबक सिखाएंगे। वे अपने परिवार के लिए पंजाब के हितों के लिए वोट मांग रहे हैं। सुनाम में आप प्रत्याशी गुरमीत सिंह मीत हेयर के हक में चुनाव रैली को संबोधित करते मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि अकाली दल तो पंजाब की सियासत से साफ हो गया है । जबकि कांग्रेस ने बाहरी नेता को चुनाव मैदान में उतारा है। सुखपाल सिंह खैरा पर बरसते हुए कहा कि उनका पता नहीं चलता कब पार्टी छोड़ कर नई पार्टी में आ जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब के 70 फीसदी खेतों में नहरी पानी पहुंचाया जाएगा। इससे बिजली की बचत होगी और महिलाओं को हजार रुपये देने की गारंटी जल्द पूरी करेंगे। पंजाब सरकार ने 250 करोड़ रुपये की बिजली अन्य राज्यों को बेची है।

दक्षिण के रण में अपने-अपने प्रण

बीजेपी ने जीत के चल दिए सभी दांव

- विपक्ष ने भी वर्चस्व को बरकरार रखने को कसी कमर
- तीन चरणों में दिख रही है कड़ी टक्कर
- आंध्र के कई सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला
- बीजेपी-टीडीपी-जेएसपी गठबंधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तीन चरण के चुनावों के मतदान हो चुके हैं। इसी के साथ लगभग 280 सीटों पर चुनाव समाप्त हो चुके हैं। इसमें पूरे देश की सीटें शामिल हैं। उत्तर भारत में मजबूत बीजेपी को शायद कोई अंदेशा है तभी तो वह दक्षिण भारत में पूरा दमखम लगा रही है। उसके सभी बड़े नेता वहां के कई चक्कर लगा रहे हैं। मोदी, शाह, राजनाथ, निर्मला सीतारमन से लेकर जयशंकर वहां के लिए सिर पैर एक किए हुए है। उधर दक्षिण भारत की राजनीति में अपनी वर्चस्व करने वाली पार्टियां बीजेपी को वहां पर पैर न जमाने के लिए कई रणनीतियों पर काम कर रही हैं। बीजेपी के किसी भी नेता के बयान को द्रमुक, अन्नाद्रमुक व कांग्रेस गंभीरता से लेती हैं और उन्हें घेरने का कोई भी मौका नहीं छोड़ती। खैर अब 4 जून के बाद ही पता चलेगा कि दक्षिण के रण में किसको लाभ मिलता है और किसको हानि।

लावु श्री कृष्ण देवरायलु नरसरावपेट से मौजूदा सांसद हैं। उन्होंने 2019 का लोकसभा चुनाव वाईएसआरसीपी के टिकट पर 1,53,978 वोटों के अंतर से जीता था। उन्होंने हाल ही में वाईएसआरसीपी छोड़ दी और टीडीपी में शामिल हो गए हैं। नरसरावपेट आंध्र प्रदेश के 25 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में से एक है। नरसरावपेट संसदीय क्षेत्र 7 विधानसभा क्षेत्रों से बना है, पेडाकुरापाडु, चिलकलुरिपेट, नरसरावपेट, सत्तेनपल्ली, विनुकोंडा, गुरजाला, माचेरला। ये सभी गुंटूर जिले के हैं। नरसरावपेट में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान चौथे चरण में 13 मई को होगा जबकि वोटों की गिनती 4 जून को होगी। उन्होंने हाल ही में वाईएसआरसीपी छोड़ दी और टीडीपी में शामिल हो गए हैं। लवु श्री कृष्ण देवरायलू इस चुनाव में टीडीपी के उम्मीदवार हैं, जो कांग्रेस के गार्नेपुडी अलेक्जेंडर सुधाकर और वाईएसआरसीपी के डॉ पोलुबोइना अनिल कुमार यादव के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। वाईएसआरसीपी के पूर्व नेता और मौजूदा सांसद लावु श्री कृष्ण देवरायलू टीडीपी में शामिल हो गए हैं और टीडीपी के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। यह टीडीपी कैडर के लिए एक बड़ा झटका है। देवरायलु निर्वाचन क्षेत्र में एक लोकप्रिय व्यक्ति हैं और लोगों की मदद करने के लिए उनकी एक मजबूत प्रतिष्ठा है और वह गैर-विवादास्पद हैं। मुख्यमंत्री जगन रेड्डी जिले में एक पिछड़े वर्ग के उम्मीदवार को मैदान में उतारने के इच्छुक थे, और उन्होंने देवरायलु को हटा दिया था। उनके आगमन से टीडीपी-बीजेपी-जेएसपी गठबंधन ने निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव जीतने की संभावना बढ़ा दी है। टीडीपी के पास यादव, कापू और माला जाति समूहों के बीच एक मजबूत वोट बैंक है। उम्मीद है कि देवरायलु इस मिश्रण में अपना वोट बैंक जोड़ लेंगे, और उनके कद के प्रतिद्वंद्वी की कमी उनके लिए आसान हो सकती है। उम्मीद है कि गठबंधन वाईएसआरसीपी सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर का फायदा उठाएगा और पीएम मोदी और चंद्रबाबू नायडू दोनों के विकास एजेंडे, विशेष रूप से बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास में प्रत्येक नेता के ट्रैक रिकॉर्ड को उजागर करेगा।

कर्नाटक में बुरे फंसे बीजेपी अध्यक्ष नड्डा

पार्टी की कर्नाटक इकाई द्वारा किए गए आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर बेंगलुरु पुलिस ने बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और पार्टी के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय को तलब किया है। बेंगलुरु में हाईग्राउंड्स पुलिस के जांच अधिकारी की ओर से नेताओं को नोटिस जारी किया गया। बेंगलुरु पुलिस के सामने पेश होने के लिए एक हफ्ते का समय दिया गया है। भाजपा नेताओं को जारी किए गए पुलिस समन के बारे में पूछे जाने पर, कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि सोशल मीडिया पोस्ट सांप्रदायिक मतभेदों के खिलाफ कुछ कानूनों पर हमला करने के

समान है। उन्होंने कहा, एक बार वे (नड्डा और मालवीय) आएं और बयान दें या अपने बयान को सही ठहराएं, हम देखेंगे कि क्या कदम उठाने की जरूरत है। यह घटनाक्रम चुनाव आयोग द्वारा माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट एक्स को भाजपा की कर्नाटक इकाई द्वारा साझा किए गए पोस्ट को तुरंत हटाने के लिए कहने के एक दिन बाद आया है। पोल पैनल का पत्र पढ़ा मुझे यह सूचित करने का निर्देश दिया गया है कि बीजेपी4कर्नाटक का पोस्ट मौजूदा कानूनी ढांचे का उल्लंघन है। मामले में एक प्राथमिकी पहले ही दर्ज की जा चुकी है। यह आपके संज्ञान में लाया गया है कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी, कर्नाटक ने साइबर अपराध प्रभाग, बेंगलुरु के माध्यम से आपत्तिजनक पोस्ट को हटाने के लिए पहले ही 05.05.2024 को एक्स को निर्देशित कर दिया गया था, हालांकि, पोस्ट को अभी तक नहीं हटाया गया है।

वाईएसआरसीपी भी मजबूती से दे रही चुनौती

वाईएसआरसीपी ने अनिल कुमार पोलुबोइना उर्फ अनिल कुमार यादव को अपना उम्मीदवार बनाया है। उनकी उम्मीद है कि वह यादव समुदाय में सेंध लगाएंगे जो परंपरागत रूप से टीडीपी के लिए वोट आधार रहा है। हालाँकि, जमीनी रिपोर्टों से पता चलता है कि अनिल कुमार यादव देवरायलु के मजबूत प्रतिद्वंद्वी नहीं हो सकते हैं। अनिल कुमार यादव नेल्लोर शहर विधानसभा क्षेत्र से निवर्तमान विधायक हैं, जो 200 किलोमीटर दूर है। उम्मीदवार को मतदाताओं द्वारा पसंद नहीं किया जाता है और उसे गैर-स्थानीय माना जाता है। इससे चुनाव में वाईएसआरसीपी की संभावनाओं को नुकसान पहुंचने की संभावना है। पलनाडु में सभी वाईएसआरसीपी विधायकों और पार्टी नेताओं के समन्वय के साथ गहन अभियान के बावजूद, जमीनी रिपोर्टों के अनुसार, वाईएसआरसीपी उम्मीदवार मतदाताओं को उत्साहित करने में विफल रहे हैं और लड़खड़ाते हुए चुनाव अभियान का नेतृत्व किया है। यादव की उम्मीदवारी ने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री विदादाला रजनी को भी परेशान कर दिया होगा, जो नरसरावपेट से लोकसभा टिकट की तलाश में थे। वाईएसआरसीपी के पास अनुसूचित जाति (एससी), पिछड़ा वर्ग (बीसी) और अल्पसंख्यकों के बीच एक वफादार मतदाता आधार है, जो निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

कांग्रेस पूरे जोश में

इस क्षेत्र में कांग्रेस की मौजूदगी बहुत कम हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में उसने कोई उम्मीदवार नहीं उतारा था। हालांकि जगन रेड्डी की बहन वाईएस शर्मिला के प्रवेश से कार्यकर्ताओं में उत्साह है, लेकिन पार्टी को मजबूत उम्मीदवार ढूंढने में दिक्कत हो रही है। उसका प्रभाव अधिक से अधिक देखा जा सकता है

बीजेपी ने भी की शिकायत

इससे पहले, सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करने के लिए उनके और बीजेपी कर्नाटक इकाई के प्रमुख बीवाई विजयेंद्र के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसमें कथित तौर पर कांग्रेस को आरक्षण की राजनीति में मुसलमानों का पक्ष लेते हुए दिखाया गया था। कर्नाटक बीजेपी द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को एससी, एसटी और ओबीसी की तुलना में मुसलमानों को बड़ा धन मुहैया कराते हुए दिखाया गया है।

शर्मिला ने राज्य को धोखा देने का लगाया आरोप

आंध्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और कडप्पा लोकसभा सीट से उम्मीदवार वाईएस शर्मिला ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को एक रेडियो संदेश भेजा, जिसमें उनसे राज्य के लोगों के मन की बात सुनने का आग्रह किया गया। उन्होंने कहा कि जब तक आप आंध्र प्रदेश के लोगों से माफी नहीं मांगते, तब तक आप राज्य में प्रवेश करने के पात्र नहीं हैं। उन्होंनो मोदी पर धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आप दस वर्षों से राज्य को धोखा दे रहे हैं, चुनाव के दौरान पाखंडी स्नेह दिखा रहे हैं लेकिन विकास की उपेक्षा कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि हम आंध्र प्रदेश के लोगों की ओर से एक आरोप पत्र पेश कर रहे हैं। यदि आपमें हिम्मत है, तो आंध्र प्रदेश के लोगों से की गई प्रतिबद्धताओं को पूरा करने का वादा करते हुए एक हलफनामा लिखें। एक रेडियो प्रदर्शित करते हुए, एपीसीसी प्रमुख ने कहा कि वह इसे राज्य के तेलुगु लोगों के मन की बात सुनने के लिए पीएम को उपहार के रूप में भेज रही हैं। पीएम की हाल की नियमित यात्राओं का जिक्र करते हुए शर्मिला ने दावा किया कि वह चुनाव के कारण आ रहे हैं, लेकिन राज्य के विकास के लिए नहीं। 6 मई को आंध्र प्रदेश में दो बैक-टू-बैक बैठकों के बाद, मोदी बुधवार को राज्य में दो और चुनावी गतिविधियों में भाग लेंगे, जिससे 13 मई को मतदान दिवस से एक सप्ताह के भीतर चार चुनाव प्रचार-संबंधित कार्यक्रम होंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री को आंध्र प्रदेश से किए गए वादों को पूरा करने की चुनौती देते हुए मांग की कि वह हलफनामा दें कि वादे पूरे किए जाएंगे, और कई सवाल भी किए। उन्होंने सवाल किया कि संसद में विशेष श्रेणी का दर्जा देने का वादा करने के बाद भी आंध्र प्रदेश को पीठ में छुरा क्यों घोंपा गया और मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी की रिवर्स टेंडरिंग को क्यों नहीं रोका गया, जिसमें पोलावरम परियोजना भी शामिल थी, जिसे कथित तौर पर इसकी ऊंचाई कम करने की साजिश रचकर निरर्थक बना दिया गया था।

लोगों को उम्मीद, रायबरेली जीत के बाद भी वायनाड नहीं छोड़ेंगे राहुल गांधी

जैसे ही कांग्रेस ने घोषणा की कि राहुल नेहरू-गांधी परिवार से जुड़ी सीट रायबरेली से भी चुनाव लड़ेंगे, भाजपा और वाम दलों ने इसे वायनाड के लोगों के साथ विश्वासघात करार दिया। वायनाड के लोगों ने कहा कि राहुल, जो 2019 में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी से पारिवारिक क्षेत्र अमेठी हारने के बाद इस सीट से संसद के निचले सदन में पहुंचे, भले ही वह दोनों सीटें जीत लें, फिर भी वह वायनाड सीट नहीं छोड़ेंगे। वायनाड में केरल के बाकी निर्वाचन क्षेत्रों के साथ 26 अप्रैल को दूसरे चरण में मतदान हुआ। जैसे ही कांग्रेस ने घोषणा की कि राहुल नेहरू-गांधी परिवार से जुड़ी सीट रायबरेली से भी चुनाव लड़ेंगे, भाजपा और वाम दलों ने इसे वायनाड के लोगों के साथ विश्वासघात करार दिया। वायनाड में अपने अभियान के दौरान, राहुल ने यूपी में चुनाव लड़ने का कोई संकेत नहीं दिया, जिसके कारण उस समय सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) की आलोचना हुई, जो कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) ने केरल में कहा कि कांग्रेस नेता हिंदी पट्टी से भाग गए हैं। लेकिन वायनाड के लोगों की आम धारणा यह है कि अगर वह रायबरेली भी जीतते हैं तो वह निर्वाचन क्षेत्र बरकरार रखना पसंद करेंगे। वायनाड के पुलपल्ली के एक किसान का मानना ??है कि वायनाड ने 2019 के चुनावों में राहुल को बचाया उन्होंने दावा किया कि हमें उम्मीद है कि अगर वह रायबरेली से भी जीतते हैं तो वह इस सीट को बरकरार रखेंगे। हमें यकीन है कि वह वायनाड में जीतेंगे, जो हमेशा कांग्रेस के लिए सबसे सुरक्षित सीट रही है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

शर्मनाक ! डॉक्टरी पेशे को किया कलंकित

> जनता जिन्हे भगावन समझती हे उसने इस हरकत से मरीज हो या आम या खास उसके उम्मीदों को झटका लगा है। सीबीआई की ये कार्रवाई तकनीकी निगरानी आधारित अभियान का नतीजा रही। सीबीआई ने कार्रवाई करने से पहले अपनी जानकारी की पुष्टि करने के लिए फर्जी मरीजों का सहारा लिया। इस मामले की तह तक जाने में मदद मिली. मामले की जांच में भुगतान के तरीके, मुख्य रूप से यूपीआई, बैंक ट्रांसफर और नकद लेने-देन की भी पुष्टि हुई।

अभी हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों को भगवान के रूप में संबोधित कर टिप्पणी की थी। उसने चिकित्सकों से कहा था कि बिना भेदभाव के आप लोग मरीजों का ख्याल रखते हैं इसलिए आपका काम सराहनीय है। पर इन सब से अलग दिल्ली में दो नामी गिरामी चिकित्सकों का घूसखोरी में गिरफ्तार होना डाक्टरी पेशे को कलंकित करता है। दरअसल, सीबीआई ने दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में एक बड़े घूसखोरी का भंडाफोड़ करते हुए दो वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञों सहित नौ लोगों को गिरफ्तार किया। इस खबर ने डॉक्टरों की विश्वसनीयतता पर सवाल उठा दिया है। जनता जिन्हे भगावन समझती हे उसने इस हरकत से मरीज हो या आम या खास उसके उम्मीदों को झटका लगा है। सीबीआई की ये कार्रवाई तकनीकी निगरानी आधारित अभियान का नतीजा रही। सीबीआई ने कार्रवाई करने से पहले अपनी जानकारी की पुष्टि करने के लिए फर्जी मरीजों का सहारा लिया। इस मामले की तह तक जाने में मदद मिली. मामले की जांच में भुगतान के तरीके, मुख्य रूप से यूपीआई, बैंक ट्रांसफर और नकद लेने-देन की भी पुष्टि हुई।

अधिकारियों के मुताबिक हृदय रोग विभाग के प्रोफेसर अजय राज और सहायक प्रोफेसर पर्वत गौड़ा चन्नप्पागौड़ा को मेडिकल उपकरणों के आपूर्तिकर्ताओं से उनके उत्पादों और स्टेंट का उपयोग करने के एवज में रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक सीबीआई ने नागपाल टेक्नोलॉजीज के चिकित्सा उपकरण आपूर्तिकर्ता नरेश नागपाल को गिरफ्तार किया है, जिसे उसकी कंपनी के चिकित्सा उपकरणों की बिक्री को बढ़ावा देने के लिए पर्वत गौड़ा को 2.48 लाख रुपये का भुगतान करना था. उन्होंने दावा किया कि भारती मेडिकल टेक्नोलॉजीज के भरत सिंह दलाल जिन्होंने यूपीआई का उपयोग करके अजय राज को कई बार रिश्वत दी. अबरार अहमद जिसने अस्पताल में कैथ लैब प्रभारी रजनीश कुमार को रिश्वत दी. एजेंसी ने दावा किया गया कि पर्वतगौड़ा ने 23 अप्रैल को अबरार अहमद से रिश्वत की राशि का यथाशीघ्र भुगतान करने को कहा क्योंकि वह गर्मी की छुट्टियों में यूरोप जाने वाले थे। जो भी अब तो मामला खुल गया है। इस मामले में सफलता तब मिली, जब गिरफ्तार किए गए दो डॉक्टरों में से एक डॉ. पर्वतगौड़ा ने कथित तौर पर आकर्षण गुलाटी नाम के एक व्यक्ति से संपर्क किया। जो गुड़गांव स्थित बायोट्रॉनिक्स के लिए काम करता था। अब इस घटना के बाद सरकारों को चाहिए कि वह कोई ऐसा तंत्र विकसित करे ताकि इस तरह से डॉक्टरी पेशे को कलंकित करने वालों को पकड़ा जाए और उन्हे कठोर सजा दी जाए ताकि कोई दुबारा ऐसी हरकत न करने पाए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कृषि बजट वृद्धि दिलाएगी 'अरबपति राज' से मुक्ति

देविंदर शर्मा

भले ही वह विशुद्ध राजनीतिक कारणों से हो, भारत में धन के पुन: बंटवारे पर बहस बेहद महत्वपूर्ण है और वक्त की जरूरत भी। मुट्ठीभर अमीरों के हाथों में धन के केंद्रित होने की अप्रिय स्थिति की वजह से 'अरबपति राज का उदय' हुआ, जैसा कि पेरिस स्थित वर्ल्ड इनइक्विलिटी लैब ने इसे नाम दिया है। यह कथित 'अरबपति राज' निश्चित रूप से उद्यमशीलता के प्रति एनिमल स्पिरिट यानी जिंदादिली या भावनात्मक जोश के उजागर होने के कारण नहीं है लेकिन यह इस बात का दुखद परिदृश्य है कि कैसे कुछ लोगों के हक में आर्थिक नीतियों और संसाधनों को अनावश्यक रूप से सौंप दिया गया।

जॉन मेनार्ड केंज ने अपनी पुस्तक 'द जनरल थ्योरी ऑफ एम्प्लॉयमेंट, इंटरेस्ट एंड मनी' (1936) में 'एनिमल स्पिरिट्स' की व्याख्या उस असाधारण मानवीय व्यवहार के रूप में की है जो अनिश्वयपूर्ण दशाओं में निवेशकों को वित्तीय निर्णय लेने को प्रेरित करता है। पर संभवतया केंज को यह अहसास नहीं हो कि बहुसंख्यक आबादी को ऐसे ही अवसर से वंचित रखना असल में लाखों फूलों के खिलने के लिए जरूरी उत्साह और 'एनिमल स्पिरिट' को नष्ट करना है। किसी भी मामले में, जहां केंज गलती पर हैं, वह यह है कि मुट्ठी भर अरबपतियों का होना महत्वपूर्ण नहीं है, जिनकी संपत्ति एक अच्छी तरह से डिज़ाइन की गई उस मददगार प्रणाली के बल पर बढ़ती रहती है, जिसमें टैक्स छूट, बैंक ऋण बट्टे खाते में डालना और आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज शामिल हैं। बल्कि उसी के समान संसाधनों को एक समतावादी समाज के निर्माण के लिए भी खर्च करना होगा जहां खुशी और संतुष्टि का राज हो। आखरिकार, संसाधन सीमित हैं और यह देखना अहम है कि इन्हें कैसे वितरित किया जाता है। शायद यही वजह है कि नॉर्डिक क्षेत्र के 4 देशों स्वीडन, डेनमार्क, नॉर्वे और फिनलैंड बेहद अच्छा कर रहे हैं और खुशहाली की सूची में लगातार अव्वल रहते हैं। एक दिन टीवी पर पैनल चर्चा के दौरान मुझसे पूछा गया कि यदि धन का पुन: वितरण करना पड़ा तो सरकार क्या कर सकती है।

मेरा जवाब था कि लगता नहीं है कि अमीरों का धन छीनकर गरीबों में बांटने का कोई विचार हो। चाहिये क्या कि नीतियों और दृष्टिकोणों में पुन: बदलाव कर यह यकीनी बनाना होगा कि उनका लाभ देश के किसी भी हिस्से में मौजूद अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। मेरा करना नितांत आवश्यक है। खेती में लगी 50 फीसदी आबादी को आर्थिक संसाधनों में उसके जायज हिस्से से क्यों वंचित किया जाए, जबकि लगातार सरकारें साल-दर-साल औद्योगिक क्षेत्र के लिए बड़े पैमाने पर बजटीय प्रावधान करती रही हैं। मुझसे सवाल किया गया कि खेती से आमदन पर कोई टैक्स नहीं है, और वह इस सेक्टर के लिए बड़ी वित्तीय मदद है। वास्तव में, पैनल चर्चा में शामिल एक वेंचर कैपिटलिस्ट ने यहां तक पूछा कि अमीर किसानों पर कर

पहला सुझाव होगा यह यकीनी बनाना कि सालाना बजट का 50 फीसदी कृषि को दिया जाना चाहिये जो साल 2024 के लिए 47.66 लाख करोड़ है। जो मोटे तौर पर देश की आधी आबादी बनती है। खेती में आबादी का इतना बड़ा हिस्सा लगे होने के बावजूद वर्तमान में इस क्षेत्र को बजट आवंटन में 3 फीसदी से भी कम प्राप्त होता है। कृषि क्षेत्र में आप किसी चमत्कार की उम्मीद नहीं कर सकते हैं यदि उचित निवेश नहीं करते।

ऐसे देश में जहां सिर्फ 21 अरबपतियों के पास 700 मिलियन से अधिक की धन-संपत्ति है, और जहां 64.3 प्रतिशत आबादी से 64.3 प्रतिशत जीएसटी आता है और शीर्ष 10 फीसदी से केवल 3-4 प्रतिशत ही आता है। जहां पहले से ही काफी निवेश किया जा चुका हो, वहां संसाधनों को लगाने में कोई आर्थिक समझदारी नहीं। इसके विपरीत, वित्तीय संसाधनों का समान और न्यायसंगत तरीके से पुनर्वितरण क्यों नहीं लगाया जाना चाहिए, जबकि उन्हें यह अहसास नहीं था कि भारत में केवल 1 प्रतिशत कृषक समुदाय के पास ही 10 हेक्टेयर से ज्यादा जमीन है, और कृषक परिवारों के लिए स्थितिजन्य आकलन सर्वेक्षण, 2019 की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार शेष 99 प्रतिशत कृषक समुदाय की औसत आय लगभग 10,000 रुपये प्रति माह है। विडंबना है कि कॉर्पोरेट अर्थशास्त्रियों को कृषि क्षेत्र में व्याप्त संकट के बारे में बहुत कम जानकारी है, और वे अभी भी पुराने जमाने की आर्थिक सोच पर चलते हैं जो किसानों को शहरों में प्रवासी दिहाड़ी मजदूरों में शामिल होने के लिए प्रेरित करने पर आधारित थी।

एक अन्य पैनल चर्चा में, मैंने बताया कि कैसे कॉर्पोरेट कंपनियां पिछले दस वर्षों में 16 लाख करोड़ रुपये के बैंक राइट-ऑफ लेकर गयी हैं, और इसके साथ सितंबर 2019 से हर साल 1.45 लाख करोड़ रुपये की टैक्स कटौती दी गई है।

जन जागरूकता रोकेगी चुनावी स्तर में गिरावट

विश्वनाथ सचदेव

वे तीनों पढ़े-लिखे हैं। कहना चाहिए उच्च शिक्षा प्राप्त हैं। उनमें से दो पत्रकार हैं और तीसरा एक बड़े सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन में उच्च अधिकारी। इन तीनों में हो रही बातचीत देश में चल रहे चुनाव के बारे में थी और तीनों इस बात पर चिंता प्रकट कर रहे थे कि दुनिया का सबसे बड़ा जनतांत्रिक देश होने का दावा करने वाले देश में चुनाव का स्तर इतना नीचा क्यों होता जा रहा है। देश में मतदान का तीसरा दौर पूरा हो चुका है। बाकी के चार दौर भी शीघ्र ही समाप्त हो जाएंगे। चार जून को मतदान का परिणाम भी सामने आ जायेगा। तब मतदाता तय कर लेगा कि किसको सत्ता में बिठाना है और किसे विपक्ष की भूमिका देनी है। चुनाव जनतंत्र का उत्सव ही नहीं होते, जनतंत्र की प्राणवायु भी होते हैं। और उन तीन जागरूक नागरिकों की चिंता भी इसी बात को लेकर थी कि देश में चुनाव प्रचार का घटता स्तर इस प्राणवायु में जहर घोल रहा था।

जहर घोलने जैसे शब्द कुछ कठोर लग सकते हैं, लेकिन चुनाव-प्रक्रिया के आगे बढ़ने के साथ-साथ जिस तरह चुनाव प्रचार की भाषा का स्तर गिरता जा रहा है, उसे देखकर देश के बुद्धिजीवियों के आकलन को अनदेखा करना भी गलत होगा। सही यह भी है कि आम मतदाता भी इस गिरते स्तर से स्वयं को कुछ ठगा हुआ महसूस कर रहा है। भाजपा में चुनाव प्रचार की प्रक्रिया बहुत पहले शुरू हो गई थी। इसकी तुलना में विपक्ष बहुत पीछे था। कारण कुछ भी रहे हों, विपक्ष की यह स्थिति भाजपा को अति विश्वास की तरफ ले जा रही थी। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भाजपा के प्रचार-महारथी बड़े विश्वास के साथ 'अब की बार चार सौ पार' का नारा लगा-लगवा रहे थे। यह नारा तो अब भी चुनावी-सभाओं में सुनाई दे जाता है, पर आवाज में एक अविश्वास भी झलकने लगा है। जिन तीन बुद्धिजीवियों की बात प्रारंभ में की गई है, उनका यह भी मानना है कि समूचे चुनाव प्रचार में अब एक अंतर्धारा भी प्रवाहित हो रही है। और यह 'तथ्य' सत्तारूढ़ पक्ष के नेतृत्व को भी पता लग रहा है।

शायद यही कारण है कि उसके चुनावी सिपहसालार प्रचार के पुराने हथियारों को उठाने की आवश्यकता महसूस करते लग रहे हैं। स्वयं प्रधानमंत्री की भाव-भंगिमा और शब्दावली भी इसी ओर इशारा कर रही है। फिर से 'शहजादा' शब्द उन्हें जरूरी लगने लगा है। इस बार कांग्रेस भी कुछ ऐसी शब्दावली काम में लेने की रणनीति अपना रही है। कांग्रेस की एक नेता प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री के शहजादा-वार के जवाब में 'शहंशाह' शब्द को तीर बनाया है। शहजादा और शहंशाह के इस मुकाबले में चुनाव के सही मुद्दे उपेक्षित होते लग रहे हैं। यही नहीं, भाजपा के नेतृत्व द्वारा वर्षों पुरानी बातों को फिर से सामने लाना भी इसी बात का संकेत है कि सत्तारूढ़ दल को अपने किये पर उतना भरोसा नहीं लग रहा, जितना पिछली सरकारों के अनकिये का लाभ मिलने पर है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का अल्पसंख्यकों का 'पहला अधिकार' वाला अठारह साल पहले वाला बयान प्रधानमंत्री मोदी को अब फिर उपयोगी लग रहा है। इसी तरह 'तुष्टीकरण' वाली बात भी फिर जोर-शोर से उठायी जा रही है।

राम मंदिर के नाम पर कांग्रेस के नेतृत्व को घेरने की कोशिश भी फिर से शुरू हो गयी है। विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस को, राम विरोधी बताकर एक बार फिर हिंदुत्व को हथियार बनाने की नीति का पालन हो रहा है। कुछ बीजेपी समर्थक तो यह भी कह रहे हैं कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण कार्य अब पूरा होता तो कुछ अधिक चुनावी लाभ मिलता! देश की सारी चुनावी-राजनीति इसी लाभ को केंद्र बनाकर चल रही है। हमारे राजनेता यह भूल रहे हैं कि राजनीति सत्ता के लिए नहीं सेवा के लिए होनी चाहिए। होना तो यह चाहिए था कि सत्तारूढ़ दल अपने दस साल के कार्यकाल का हवाला देकर फिर से मतदाता का समर्थन मांगता, पर हो कुछ और ही रहा है। हवाला इस बात का दिया जा रहा है कि पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की नीतियों के परिणामस्वरूप ही आज के प्रधानमंत्री को काम करने में दिक्कत हो रही है। चुनाव प्रचार के स्तर का लगातार गिरना भी यही दर्शाता है कि हमारी आज की राजनीति सही मुद्दों को अनदेखा कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, महंगाई, बेरोज़गारी जैसे जरूरी मुद्दों की जगह हमारी राजनीति सांप्रदायिकता का सहारा लेने के लिए जैसे बाध्य हो रही है। संप्रदाय विशेष को 'घुसपैठिए' और 'बच्चे पैदा करने वाली मशीन' बताने वाले एक घटिया राजनीति का उदाहरण ही प्रस्तुत कर रहे हैं। बहुसंख्यकों की संपत्ति को अल्पसंख्यकों को बांटने की 'साजिशों' की बात करना भी हमारी राजनीति के हल्केपन को ही उजागर करता है।

बहरहाल, यहीं इस बात को भी रेखांकित किया जाना जरूरी है कि भाजपा के चार सौ पार वाले नारे ने अल्पसंख्यकों और वंचित वर्ग के मन में एक डर भी पैदा कर दिया है। उन्हें लग रहा है कि लोकसभा में चार सौ से अधिक का बहुमत पाकर भाजपा संविधान को बदलने की स्थिति में आ सकती है। यह सही है कि भाजपा का शीर्ष-नेतृत्व बार-बार इस बात को दुहरा रहा है कि संविधान नहीं बदला जायेगा, और न ही पिछड़ों के अधिकार छीने जाएंगे, लेकिन भाजपा के ही कई नेता इस आशय की बात करते रहे हैं और अब भी कर रहे हैं। ऐसे में मतदाता का शंकालु होना स्वाभाविक है। प्रधानमंत्री समेत अन्य नेताओं के चुनाव प्रचार में आ रही गिरावट भी चिंता का विषय होनी चाहिए। यह बात कम महत्वपूर्ण नहीं है कि चुनाव आयोग के समक्ष इस गिरते स्तर की शिकायतें लगातार पहुंच रही हैं।

गर्मी में शरीर को फायदा पहुंचाएगा लौकी का रायता

मई का महीना चल रहा है और भीषण गर्मी से अभी से लोगों की हालत खराब होने लगी है। कई शहरों में तो तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से पार चला गया है, जिस वजह से लोगों ने बाहर निकलना तक बंद कर दिया है। इस मौसम में लोगों को अपने खाने का खासा ध्यान रखना पड़ता है। अगर आप भी ऐसी डिश की तलाश कर रहे हैं, जो स्वाद और सेहत दोनों के लिए फायदेमंद हो तो लौकी का रायता एक बेहतर विकल्प है। लौकी गर्मी के मौसम में शरीर को काफी लाभ पहुंचाती है। इसमें कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को हाइड्रेट रखते हैं। इसके साथ ही लौकी मे पाए जाने वाले विटामिन-सी, फाइबर, पोटेशियम और अन्य तत्व शरीर के लिए लाभदायक हैं। वहीं दही शरीर को ठंडक प्रदान करता है। ऐसे में अगर आप लौकी का रायता बनाकर खाएंगे, तो आपको इसका लाभ देखने को जरूर मिलेगा।

सामान

लौकी, दही, जीरा, हींग, नमक, काला नमक, हरी मिर्च, हरा धनिया।

विधि

लौकी का रायता बनाना काफी आसान है। इसके लिए सबसे पहले लौकी का छिलका उतारकर उसे चार टुकड़ों में काटकर कद्दूकस कर लें। कद्दूकस करने के बाद लौकी को एक पैन में पानी डालकर उबाल लें। इसे आपको 5-8 मिनट तक उबालना है। जब लौकी गल जाए तो इसे छलनी से छानकर एक थाली में फैला दें। जब तक ये ठंडी हो रही है, तब तक एक भगोने में दही लेकर उसे सही से फेंट लें। अब आपको रायते के तड़के की तैयारी करनी है। तड़का लगाने के लिए सबसे पहले एक पैन में तेल डालकर इसे गर्म करें। तेल गर्म हो जाने के बाद इसमें हींग-जीरे का तड़का लगाएं। तड़का बन जाने के बाद इसे फेंटी हुई दही में डालें। तड़का लगाने के बाद दही को सही से मिक्स करें। आखिर में इसमें उबली हुई लौकी, बारीक कटी धनिया पत्ती, हरी मिर्च स्वादानुसार नमक और थोड़ा सा काला नमक डालें। रायता तैयार होने के बाद इसे फ्रिज में रख दें। अब ठंडे रायते को खाने के साथ परोसें।

घर पर ही बनाएं बेल का शरबत

गर्मी बढ़ती जा रही है और खुद को हाइड्रेट रखना चैलेंजिंग होता जा रहा है। लू के थपेड़ों से तबियत भी लोगों की खराब हो रही है और पाचन की समस्या सबसे बड़ी मुसीबत बनती जा रही है। ऐसे में अगर आप बेल का शरबत पियें तो यह कई तरह से आपकी परेशानियों को दूर रखने में मदद कर सकता है। जी हां, बेल एक ऐसा फल है जिसे पेट के लिए अमृत माना जाता है। नारंगी और पीले रंग के इस शरबत को पीते ही शरीर में एनर्जी आ जाती है और आप तुरंत तरोताजा महसूस करने लगते हैं। हालांकि कई लोगों के लिए इस शरबत को घर पर बनाना चैलेंजिंग काम लगता है। ऐसे में हम बताते हैं कि आप घर पर किस तरह बेल का शरबत बड़ी आसानी से बना सकते हैं।

सामग्री

एक बेल का फल, 4 से 5 चम्मच चीनी, ठंडा पानी, एक से दो कप बर्फ के टुकड़े।

बनाने का तरीका

बेल का शरबत बनाने से पहले बेल का फल लें और उसे कम से कम दो घंटे पानी में डालकर छोड़ दें। इसके बाद बेल को पोछकर उसे तोड़ दें। आप इसके अंदर पीले रंग का गूदा देखेंगे। अब आप इन गूदों को चम्मच की मदद से एक बड़े से बर्तन में निकाल लें। अब इन गूदों में कम से कम एक से दो गिलास ठंडा पानी डालें और आधे घंटे के लिए छोड़ दें। अब एक दूसरा बड़ा बर्तन लें और उस पर बड़ी सी छन्नी रखें। अब सारा गूदा छन्नी पर रखते जाएं और गूदों को मैश करते हुए छान लें। आप छन्नी में रखने से पहले भी मैशर की मदद से बर्तन में इसे मैश कर सकते हैं। मैश करने के बाद इसे छन्नी से छान लें। इस तरह गूदे का रेशा और बीज अलग हो जाएगा। अब आप स्वाद के अनुसार इस जूस में चीनी मिला लें। आपका शरबत तैयार है। अब आप जब चाहें इसे गिलास में बर्फ के साथ डालें और पियें।

हंसना मना है

परसों घरवाली ने कहा - मुझे 2,000 रुपये दे दो वापस कर दूंगी...! मैंने पर्स निकाला और पैसे देने लगा तो बोली - अच्छा चलो 1,000 दे दो केवल 1,000 बाद में ले लुंगी...! आज सुबह बोली - मुझे तुमसे 1,000 लेने है.... मैंने पर्स निकाला और 1,000 देने लगा तो फिर बोली - रहने दो मुझे आपको 1,000 देने भी तो हैं, चलो बराबर हो गए...!

पप्पू - जो डर गया, वो मर गया कहावत कैसे बनी? गप्पू - मुझे नहीं पता। तू बता। पप्पू - जापान में दो भाई रहते थे, एक का नाम जो था और दूसरे का नाम वो। एक रात जो को बाथरूम में भूत दिखा। जो डर गया और उसने वो को आवाज लगाई। वो दौड़ते हुए बाथरूम में आया और भूत को देखते ही उसका हार्ट फेल हो गया और वो मर गया। बस तभी से ये कहावत बन गई कि जो डर गया, वो मर गया!!!

पति- शादी से पहले तुम बहुत उपवास रखती थी अब क्या हो गया... पत्नी- बहुत नहीं, सिर्फ 16 सोमवार रखती थी...! पति- फिर अब क्या हुआ... पत्नी- फिर तुमसे शादी हो गई और मेरा उपवास से भरोसा ही उठ गया...!

कुछ लड़कियां इतना बड़ा पर्स लेकर निकलती हैं... जैसे... पड़ोसी की मुर्गी उठाने जा रही हों...!!

कहानी: पूतना वध

कंस का अंत नजदीक आ चुका था। उसे इस बात का पता चल चुका था कि उसकी मृत्यु उसके ही भांजे कृष्ण के हाथों होने वाली है। फिर क्या था, बाल गोपाल को मारने के लिए कंस कई तरह के हथकंडे अपनाने लगा। वह कृष्ण को मारने के लिए शक्तिशाली दानवों को भेजता, लेकिन नटखट कन्हैया की बाल लीला के आगे किसी की नहीं चली। एक बार कंस ने पूतना नाम की राक्षसी को बाल कृष्ण का वध करने के लिए भेजा। जैसे ही पूतना गोकुल पहुंची, उसने एक सुंदर स्त्री का रूप धारण कर लिया। स्त्री का रूप धारण कर पूतना घर-घर जाकर कृष्ण की तलाश करने लगी। कृष्ण की खोज में पूतना को जो भी बालक मिलता, वो उसे अपने विष वाले दूध को पिलाकर मार देती। जब पूतना कृष्ण के घर पहुंचती है, तब भगवान कृष्ण को पता चल जाता है कि वह एक राक्षसी है। पूतना कृष्ण को गोदी में उठाकर अपना विषैला दूध पिलाने लगती है। कृष्ण को दूध पीते देखकर पूतना सोचने लगती है कि अब यह मर जाएगा। भगवान कृष्ण कुछ देर बाद दूध पीते-पीते ही राक्षसी के प्राण खींचने लगते हैं। दर्द के कारण राक्षसी पूतना कृष्ण को आसमान की ओर लेकर उड़ जाती है और पास के जंगल में कान्हा सहित गिर जाती है। थोड़ी देर बाद ही राक्षसी के प्राण निकल जाते हैं। इस तरह भगवान कृष्ण राक्षसी पूतना का वध कर देते हैं।

7 अंतर खोजें

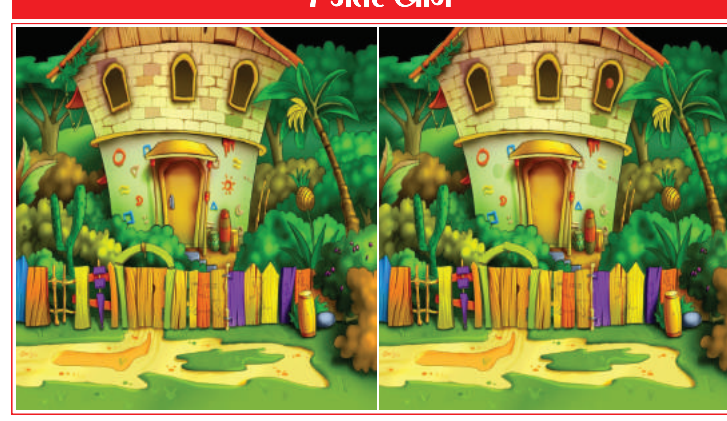

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष - नौकरी में कार्यभार रहेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आय में निश्चितता रहेगी। जोखिम न लें। एकाएक स्वास्थ्य खराब हो सकता है, लापरवाही न करें।

तुला - सुख के साधन जुटेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

वृषभ - व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। लाभ देगा। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृश्चिक - तंत्र-मंत्र में रुचि जागृत होगी। किसी जानकार व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त हो सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मिथुन - दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नए काम करने का मन बनेगा। फिजूलखर्ची ज्यादा होगी। शत्रु भय रहेगा।

धनु - व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। लाभ के लिए प्रयास करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें।

कर्क - व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ने के योग हैं। कोई बड़ी समस्या का अंत हो सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मकर - व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि अपमान हो। व्यापार-व्यवसाय अनुकूल रहेगा।

सिंह - स्वयं के काम पर ध्यान दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। विवाद को बढ़ावा न दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यापार ठीक चलेगा। कार्यकुशलता कम होगी।

कुम्भ - भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधी चिंता बनी रहेगी। आशंका व कुशंका रहेगी।

कन्या - व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। भाग्य का साथ मिलेगा।

मीन - यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

सलमान के 'सिकंदर' में हुई रशिमका मंदाना की इंट्री

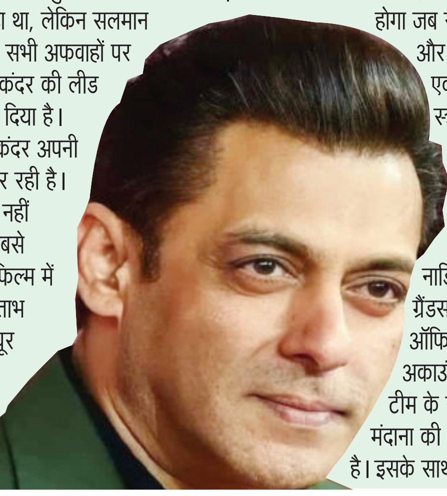

सलमान खान के फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी आई है। एक्टर अभी से अपने चाहने वालों के लिए फिल्म लाने की तैयारी कर रहे हैं। इस साल ईद पर सलमान खान ने अपनी आगामी फिल्म सिकंदर का एलान किया था। हालांकि, फिल्म की लीड एक्ट्रेस के नाम से पर्दा नहीं उठाया था। सिकंदर को लेकर अब तक कई हीरोइनों की नाम की चर्चा हो चुकी है और ये सिलसिला चलता ही जा रहा था, लेकिन सलमान खान ने नई घोषणा के साथ सभी अफवाहों पर रोक लगा दी है। उन्होंने सिकंदर की लीड एक्ट्रेस के नाम से पर्दा उठा दिया है।

सलमान खान की सिकंदर अपनी अनाउंसमेंट से ही चर्चा बटोर रही है। ऐसे में एक्टर ने भी निराश नहीं किया। उन्होंने साउथ की सबसे पॉपुलर एक्ट्रेस को अपनी फिल्म में हीरोइन बनाया है, जो अमिताभ बच्चन से लेकर रणबीर कपूर तक, हिंदी सिनेमा के कई दिग्गजों के साथ काम कर चुकी हैं। अब उनके को-स्टार्स की लिस्ट में दबंग खान का नाम भी जुड़ गया है। सिकंदर के मेकर्स ने आज 9 मई को फिल्म को लेकर अपडेट देते हुए एक्ट्रेस का नाम रिवील किया है। सिकंदर में सलमान खान की हीरोइन बनने का मौका श्रीवल्ली यानी रशिमका मंदाना को मिला है। फिल्म में एक्ट्रेस सलमान खान के साथ रोमांस करते हुए नजर आएंगी। दोनों की जोड़ी को देखना दिलचस्प होगा, क्योंकि ये पहला होगा जब रशिमका मंदाना और सलमान खान एक साथ सिल्वर स्क्रीन पर नजर आएंगे। सिकंदर के प्रोडक्शन हाउस नाडियाडवाला ग्रैंडसन ने ऑफिशियल एक्स अकाउंट पर फिल्म की टीम के साथ रशिमका मंदाना की फोटो शेयर की है। इसके साथ ही कैप्शन में लिखा, सिकंदर में सलमान खान के अपोजिट शानदार एक्ट्रेस रशिमका मंदाना का स्वागत करते हैं। ईद 2025 में स्क्रीन पर दोनों के जादू को देखने का इंतजार करना मुश्किल है। बता दें कि सिकंदर का डायरेक्शन साउथ के डायरेक्टर एआर मुरुगदास कर रहे हैं। वहीं, प्रोड्यूस साजिद नाडियाडवाला कर रहे हैं।

श्रद्धा की स्त्री 2 में अभिषेक लगाएंगे कॉमेडी का तड़का

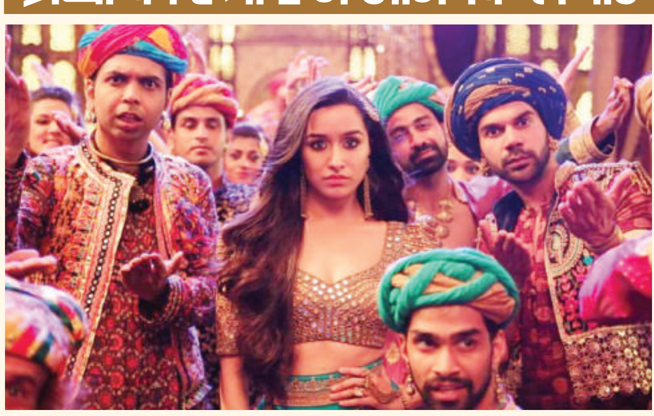

श्रद्धा कपूर स्टारर स्त्री 2 का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 2018 में रिलीज हुई स्त्री की ये सीक्वल होगी। फिल्म में एक बार फिर श्रद्धा कपूर के साथ राजकुमार राव, अभिषेक बनर्जी और पंकज त्रिपाठी दिखेंगे। हाल में एक इंटरव्यू में अभिषेक ने फिल्म और अपने करियर को लेकर खुलकर बात की।

अभिषेक बनर्जी ने बताया कि फिल्म स्त्री 2 की शूटिंग उन्होंने पूरी कर ली है। एक्टर ने बताया कि स्त्री-2 में कुछ बड़ा होने वाला है। इसे बहुत बड़े स्तर पर फिल्माया गया है, जितना मैंने देखा है कि इसका वीएफएक्स भी रोंगटे खड़े कर देने वाला है। जना का रोल भी धमाकेदार होने वाला है। कॉमेडी के इतर फिल्म वेदा में जॉन अब्राहम के साथ अभिषेक एक्शन करते दिखने वाले हैं। एक्टर ने अपना अनुभव शेयर करते हुए कहा कि यह मेरे लिए आसान नहीं था। उनको तो देखते ही लगा कि अगर मुझे उनका एक हाथ लग गया तो अगले दिन उठ पाऊंगा या नहीं। हालांकि, उनके साथ काम करने में मजा आया। स्त्री 2 के अलावा अभिषेक बनर्जी जॉन अब्राहम स्टारर वेदा में दिखने वाले हैं। इस फिल्म में वह एक्शन करते नजर आएंगे। वहीं फिल्म में उनके अलावा अभिनेत्री शरवरी वाघ और तमन्ना भाटिया भी अहम भूमिकाओं में हैं। इसी के साथ अभिषेक वेब सीरीज राणा नायडू 2 में भी दिखेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे आज तक हिंदी फिल्मों के ऑफर नहीं मिले : ज्योतिका

ज्योतिका साउथ फिल्म इंडस्ट्री का जाना माना नाम हैं। हाल ही में ज्योतिका अजय देवगन स्टारर शैतान में दिखी थीं। वहीं अब वे राजकुमार राव के साथ श्रीकांत में दिखाई देंगी। ज्योतिका ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत अक्षय खन्ना के साथ बॉलीवुड फिल्म डोली सजा के रखना से की थी। हालांकि ये फिल्म फ्लॉप रही थी। इसके बाद से वह किसी भी हिंदी फिल्म में दिखाई नहीं दी। ज्योतिका अपनी फिल्म श्रीकांत का प्रमोशन कर रही हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि किसी भी बॉलीवुड प्रोड्यूसर ने उन्हें इतने सालों में फिल्म ऑफर नहीं किया। ज्योतिका ने कहा कि मुझे आज तक हिंदी फिल्मों के ऑफर ही नहीं मिले। मैं 27 साल पहले साउथ की फिल्मों में काम करने चली गई थी, तब से केवल साउथ की फिल्में ही कर रही हूं। मेरी पहली हिंदी फिल्म सिनेमाघरों में फ्लॉप रही थी। यहां पर काम करने के लिए पहली फिल्म का चलना जरूरी होता है। जब एक्ट्रेस से दोनों इंडस्ट्री में अंतर को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि- मैंने बड़े प्रोडक्शन हाउस के साथ अपनी पहली हिंदी फिल्म में काम किया था। यह फिल्म फ्लॉप हो गई थी। फिर मैंने साउथ की फिल्म की वह भी नहीं चली। लेकिन मैं ये भी ध्यान दिलाना चाहूंगी कि साउथ की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर न चलने पर मुझे बहुत सारी फिल्में इस आधार ऑफर की गई, क्योंकि उनमें मेरे अभिनय को पसंद किया गया। दोनों इंडस्ट्री के बीच ये क्लियर अंतर है। बता दें कि राजकुमार राव की श्रीकांत उनकी बॉलीवुड में कमबैक के बाद दूसरी फिल्म है। इससे पहले वह शैतान में नजर आई हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि फिल्म की शूटिंग के पहले दिन वे काफी टेंशन में थी। हिंदी में बोलना भी मेरे लिए बहुत पुरानी यादों जैसा हो गया है, क्योंकि मैंने कुछ समय पहले ही यह भाषा बोलना छोड़ दिया था। पहले दो दिन मैं नर्वस थी।

चिड़ियों को मारने के लिए सारी दुनिया में बदनाम है यह पेड़, डाल पर बैठते ही ले लेता है जान !

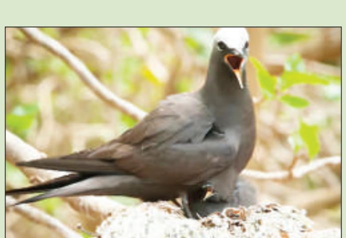

ज्यादातर पौधे परागण के लिए पक्षियों और कीड़ों पर निर्भर रहते हैं। पौधे हवा के मीठे रस का सुगंध छोड़ते हैं, जिसे पक्षी और कीड़े खाते हैं। इसलिए बहुत सारे पक्षी इनकी ओर आकर्षित होते हैं। लेकिन धरती पर एक पेड़ ऐसा भी है, जो पक्षियों की जान ले लेता है। यह पेड़ अपनी शाखाओं से घोंसले बनाने के लिए छोटे पक्षियों को लुभाते हैं। और जब पक्षी इनकी शाखाओं पर बैठते हैं, तो इनके चिपचिपे बीज उनके पंखों में चिपक जाते हैं। नतीजा वे इतने भारी हो जाते हैं कि कुछ समय बाद वे जमीन पर गिर जाते हैं और भूख से मर जाते हैं। या फिर शिकारियों द्वारा खा लिए जाते हैं। इसीलिए इन पौधों को पक्षियों का हत्यारा भी कहा जाता है। चिड़ियों को मारने के लिए सारी दुनिया में बदनाम इस पेड़ का नाम पिसोनिया प्लांट है। इन्हें पक्षी-पकड़ने वाला या बर्ड कैचर भी कहा जाता है। इसके बीच काफी लंबे होते हैं, जो मोटी जेलनुमा चादर से ढके होते हैं। जो काफी चिपचिपा होता है। इनमें एक छोटा सा हुक भी होता है, जो लगभग किसी भी चीज से आसानी से चिपक जाता है। इनके बीज बड़े उलझे हुए गुच्छों में उगते हैं। हर गुच्छे में एक दर्जन से लेकर दो सौ से अधिक तक बीज हो सकते हैं। जब भी कोई पक्षी इस पौधे की शाखाओं पर बैठता है, ये पेड़ अपने बीज को फैलाने के चक्कर में उस पक्षी के पंख में चिपक जाते हैं। बाद में इसी वजह से उनकी मौत हो जाती है। पिसोनिया पेड़ में साल में दो बार फूल आते हैं। आमतौर पर कैरेबियाई द्वीपों पर उगने वाले ये प्लांट समुद्री पक्षियों के लिए घातक होते हैं। जब समुद्री पक्षी घोंसला बनाने के लिए पिसोनिया के ऊपर बैठते हैं, और जब इनके बच्चे अंडों से निकलते हैं, तो समुद्री पक्षी तो मजबूत होने की वजह से उड़ जाते हैं। लेकिन ये छोटे बच्चे चिपचिपे गुच्छों में उलझ कर फंस जाते हैं। यहां तक कि मुट्ठी भर बीज भी उनके लिए घातक हो जाता है। वे उड़ने में असमर्थ हो जाते हैं और गिर जाते हैं।

अजब-गजब | इसे कहा जाता है दुनिया का इकलौता डरावना जहाज

इस विमान की आवाज से डरकर कंबल से कान ढक लेते थे लोग

दुनिया में ऐसे कई जेट हैं, जो काफी शोर मचाते हैं। जिनकी आवाज आपको कानफोड़ू लग सकती है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे जहाज के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसकी आवाज इतनी तेज थी कि लोग कांप उठते थे। जब ये स्टार्ट होता था तो ग्राउंड स्टाफ भी कम्बल से कान ढंकने को मजबूर हो जाता था। वास्तव में इसकी आवाज को किसी भी डेसीबल पर कभी रिकॉर्ड नहीं किया, क्योंकि डर था कि कहीं मापने वाला उपकरण ही न टूट जाए।

1955 में अमेरिकी वायु सेना ने XF-84H नामक दो जहाज विकसित किए थे। रिपब्लिक एविएशन ने इसे बनाया। विमान में टर्बोप्रॉप इंजन लगाया गया। क्योंकि ऐसा इंजन बड़े पंखों वाला होता है और बड़ी मात्रा में हवा हटाने में सक्षम होता है। यह कम गति पर विमान को काफी ताकत देता है। यह जल्दी टेकऑफ कर सकता है और जल्दी लैंडिंग भी। इस टरबाइन इंजन में तीन स्टील ब्लेड थे, जो 12 फीट लंबे थे। ये एक तरह से सुपरसोनिक गति से चलते थे। इनके चलने से इतनी तेज आवाज पैदा होती थी कि 40 किलोमीटर दूर से भी इसे सुना जा सकता था। इनसे निकलने वाली हवा इतनी शक्तिशाली थी कि सामान्य आदमी को तिनके की तरह उड़ा दे।

एयर एंड स्पेस मैगजीन में इसके बारे में विस्तार से बताया गया है। लिखा है, एक दिन चालक दल इसे चलाने के लिए कैलिफ़ोर्निया के एडवर्ड्स एयर फ़ोर्स बेस ले गया। इसे उड़ाने वाले दल में शामिल हेनरी बेयर्ड कहते हैं, हमने इसे एक टैक्सीवे के बगल में बांध दिया। जब इसे चलाया गया, तो इसकी आवाज सुनकर चालक दल का प्रमुख बेहोश हो गया। वह फर्श पर अपनी पीठ के बल लेट गया। उसके हाथ-पैर लड़खड़ा रहे थे। वह इतना डर गया था कि कान सुन्न हो गए थे। कुछ भी सुनाई नहीं दे रहा था। 78 साल के हो चुके बेयर्ड कहते हैं कि यह वास्तव में इतना बुरा नहीं था, लेकिन अगर आप विमान में चढ़ गए, और इसे स्टार्ट किया गया तो यह आपको नीचे गिरा देगा। भयानक आवाज करने की वजह से इस विमान को थंडरस्क्रीच नाम से भी पुकारा जाता है। थंडरस्क्रीच का इंजन हर समय पूरी गति से चलता था, और प्रोपेलर स्टार्टअप से शटडाउन तक 2,100 आरपीएम पर घूमता था। लेकिन शोर भयानक था। चालक दल के एक अन्य सदस्य कहते हैं कि हमें डर था कि प्रोपेलर से निकलने वाली शॉकवेव रनवे से लगभग एक मील दूर स्थित नियंत्रण टॉवर की खिड़कियों को न तोड़ दे। जब यह उड़ान भरता था तो ट्रैफिक नियंत्रक अपने रेडियो के साथ नीचे आ जाते थे। खुद को कंबल से ढक लेते थे। क्योंकि उन्हें डर लगा रहता था कि कहीं ये चोट न पहुंचा दे। बेयर्ड ने कहा, वास्तव में इसे किसी भी डेसीबल पर कभी रिकॉर्ड नहीं किया, लेकिन डर था कि कहीं मापने वाला उपकरण ही न टूट जाए। बाद में इस विमान को नष्ट कर दिया गया, क्योंकि यह किसी काम के लायक नहीं समझा गया।

मुझे अपनी दादी और पिता पर नाज : प्रियंका

» बोलीं- गर्व है इंदिरा गांधी पर, जिन्होंने पाकिस्तान तोड़कर बांग्लादेश बनाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायबरेली। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने भाई राहुल गांधी के लिए सदर विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार किया। इस दौरान प्रियंका ने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला किया। भाजपा के परिवार के शहीदों के नाम पर वोट मांगने के सवाल पर प्रियंका ने कहा कि भाजपा चाहती है कि मैं चुप रहूं। शर्मिदा हो जाऊं। मैं क्या चुप रहूं। इनको गाली देने दूं। मुझे अपने परिवार पर गर्व है। मुझे गर्व इंदिरा गांधी पर है, जिन्होंने पाकिस्तान तोड़कर बांग्लादेश बनाया और देश के लिए शहादत दी। मुझे गर्व है राजीव जी पर, जिन्होंने देश के लिए शहादत दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अदाणी, अंबानी का नाम राहुल गांधी ने लेना बंद कर दिया है के सवाल पर प्रियंका ने कहा कि यह बात बिल्कुल गलत है। राहुल रोज उनका नाम ले रहे हैं। कांग्रेसी मेनिफेस्टो को लेकर भाजपा के आरोपों का जवाब देते हुए प्रियंका ने कहा कि मोदी जी को उसे पढ़ना चाहिए। प्रियंका ने केंद्रीय मंत्री एवं अमेठी सांसद स्मृति इरानी के उस सवाल का जवाब दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस मुद्दों पर चुनाव नहीं लड़ रही है। प्रियंका ने कहा कि यह बात बिल्कुल गलत है। हम तो महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर ही चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा के उस बयान का भी प्रियंका ने खंडन किया, जिसमें कहा गया कि कांग्रेस आई तो राम मंदिर पर ताला लटक जाएगा। प्रियंका ने कहा कि कांग्रेस ने बहुत बार कहा है कि जो निर्णय आएगा, उसका पालन करेंगे और ऐसा कर भी रहे हैं। राम मंदिर पर ताला लगाने की बात झूठी है। कैसरगंज से बृजभूषण शरण सिंह के बेटे को टिकट दिए जाने के सवाल पर प्रियंका ने कहा कि भाजपा के लिए महिला सम्मान चुनावी जुमला है। महिला पहलवान जब मेडल लेकर आती हैं तो मोदी जी उनके साथ चाय पीते हैं। अब जब महिलाएं धरना दे रही हैं तो वो बृजभूषण के बेटे को अपनी पार्टी का प्रत्याशी बना रहे हैं। प्रियंका गांधी ने कलसहा और खागीपुर सड़वा गांव में नुक्कड़ सभाओं को संबोधित किया।

भाजपा के लिए महिला सम्मान चुनावी जुमला

पांच किलो राशन से भविष्य नहीं बनने वाला

एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पांच किलो राशन से आपका भविष्य नहीं बनने वाला है। मिल रहा है ये अच्छी बात है। आपको वो सरकार चाहिए जो कि रोजगार दे। जब आपके पास रोजगार होगा तो आप खुद ही आत्मनिर्भर बनेंगे। पांच किलो राशन से आपका भविष्य नहीं बदलने वाला है। जो राजनीतिक दल आपको सिर्फ राशन देने तक ही सीमित कर दे रहा है उसकी नीति ठीक नहीं है। प्रियंका गांधी ने कहा कि रायबरेली में एक राजनीतिक जागरुकता की परंपरा रही है। यहां के किसानों ने 103 साल पहले एक आंदोलन किया था जिसमें पंडित जवाहर लाल नेहरू भी शामिल हुए थे और किसानों के साथ गिरफ्तार हुए थे।

मोदी जैसी बात किसी ने नहीं की

उतरपारा में आयोजित नुक्कड़ सभा के दौरान प्रियंका गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसी बात कर रहे हैं, वैसी बात अभी तक देश में किसी प्रधानमंत्री और महापुरुष ने नहीं की। वह जनता के बीच भ्रम फैलाकर कांग्रेस को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। जनता अब भाजपा की असलियत समझ गई है।

भारत की विविधता को ऐसे बताना दुर्भाग्यपूर्ण : जयराम

इस बार इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष ने देश के पूर्वोत्तर और दक्षिण क्षेत्र के राज्यों में रहने वाले लोगों को लेकर टिप्पणी की है। उनकी इस टिप्पणी से कांग्रेस ने दूरी बना ली है। एक्स पर एक पोस्ट में, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि भारत की विविधता को चित्रित करने के लिए सैम पित्रोदा द्वारा पॉडकास्ट में कही गई उपमाएं सबसे दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य हैं। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस इन उपमाओं से खुद को पूरी तरह से अलग करती है।बता दें कि सैम पित्रोदा का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें उन्होंने कहा कि भारत जैसे विविधता वाले देश में सभी एक साथ रहते हैं। यहां पूर्वी भारत के लोग चीन के लोगों जैसे, पश्चिम भारत में रहने वाले अरब जैसे और दक्षिण में रहने वाले अफ्रीकी लोगों जैसे दिखते हैं। लेकिन इसके बावजूद फिर भी हम सभी मिल-जुलकर रहते हैं।

भाजपा मुद्दों से भटकते-भटकते खुद ही भटक गई : कमलनाथ

प्रदेश में लोकसभा के तीसरे चरण का मतदान हो चुका है। इसी बीच मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने ट्वीट कर कहा है कि भाजपा मुद्दे से भटकते भटकते खुद ही भटक गई। प्रदेश में लोकसभा चुनाव 2024 के चौथे और आखिरी चरण की तैयारी में एमपी कांग्रेस और बीजेपी पूरी ताकत झोंक रही है। लोकसभा चुनाव परिणाम के पहले पूर्व सीएम कमलनाथ ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर भाजपा पर तंज कसते हुए जीत को लेकर बड़ा दावा किया है। कहा कि- इंडिया के लोग इंडिया गठबंधन को सत्ता की चाबी सौंपने वाले हैं। इस लोकसभा चुनाव में जनता का मानस अब स्पष्ट बन चुका है। इंडिया के लोग इंडिया गठबंधन को सत्ता की चाबी सौंपने वाले हैं। भाजपा का नेतृत्व देश के किसान, नौजवान, महिलाओं, सरकारी कर्मचारी, दलित, पिछड़े, आदिवासी, अल्पसंख्यक या किसी वर्ग के बारे में कोई भी नीति या नीयत स्पष्ट नहीं कर पा रहा है। ऐसी गुमराह पार्टी से देश की रक्षा करने के लिए भारत के नागरिक तैयार हैं। जय कांग्रेस, विजय कांग्रेस।

एमवीए महाराष्ट्र में 30 से 35 सीट पर जीत दर्ज करेगा : शरद पवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि महाराष्ट्र में लोकसभा की कुल 48 में से 30 से 35 सीट पर एमवीए के जीत दर्ज करने की उम्मीद है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जनता बदलाव चाहती है और यह चार जून को घोषित होने वाले परिणामों में दिखाई देगा। पवार ने कहा कि विपक्षी दल पिछले आम चुनाव की तुलना में इस चुनाव में काफी बेहतर प्रदर्शन करेंगे। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को एक सीट, राकांपा (अविभाजित) को चार सीट और एआईएमआईएम को एक सीट मिली थी।

लेकिन इस बार रुझानों से ऐसा जान पड़ता है कि कांग्रेस, राकांपा (शरदचंद्र पवार) और शिवसेना (यूबीटी) को मतदाताओं का भारी समर्थन मिलेगा।

उद्धव ने 'नकली संतान' टिप्पणी पर पीएम मोदी को आड़े हाथ लिया

उद्धव ठाकरे ने उन्हें दिवंगत बाला साहेब की 'नकली संतान' कहे जाने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना करते हुए कहा कि वह अपने माता-पिता का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एक ओर जहां इस तरह का बयान देते हैं, वहीं दूसरी ओर 17 मई को अपनी मुंबई यात्रा के दौरान बाला साहेब ठाकरे के शिवाजी पार्क स्थित स्मारक को नमन किया था। उद्धव ने कहा,"तेलंगाना में एक रैली में, प्रधानमंत्री ने कहा कि वह बाला साहेब की 'नकली संतान' से पूछना चाहते हैं।

हरियाणा में लगे राष्ट्रपति शासन : हुड्डा

» कांग्रेस ने राज्यपाल से मांगा मिलने का समय

» मुख्यमंत्री नायब सैनी से इस्तीफे की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। तीन निर्दलीय विधायकों के भाजपा सरकार से समर्थन वापस लेने और कांग्रेस को समर्थन देने से अल्पमत में आई हरियाणा सरकार को घेरने के लिए विपक्षी दलों ने किलेबंदी शुरू कर दी है। हरियाणा के तीनों विपक्षी दलों कांग्रेस, जजपा और इनेलो ने राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को अलग-अलग पत्र लिखा है। तीनों दलों ने सरकार के अल्पमत में बताते हुए नैतिकता के आधार पर मुख्यमंत्री नायब सैनी से इस्तीफा मांगा है। साथ ही राज्यपाल से प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लगवाने की मांग रखी है।

दूसरी तरफ भाजपा ने भी सरकार बचाने के लिए जोड़-तोड़ शुरू कर दी है। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने पंचायत राज्य मंत्री महिपाल ढांडा के पानीपत स्थित आवास पर जजपा के तीन विधायकों के साथ बैठक की। वीरवार दोपहर में करीब एक घंटे बंद कमरे में चली बैठक में एक-दूसरे को भरोसा और विश्वास भी दिया गया। कांग्रेस ने राज्यपाल से 10 मई को मिलने का समय मांगा है। नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भिवानी में कहा कि कांग्रेस सभी विधायकों की परेड कराने को तैयार है। जजपा भी अपने 10 विधायकों को चंडीगढ़ लेकर पहुंचे। जजपा नेता दुष्यंत चौटाला ने राज्यपाल को पत्र लिखकर फ्लोर टेस्ट कराने की मांग की है, साथ ही भाजपा पर हॉर्स ट्रेडिंग के आरोप भी लगाए हैं। इनेलो के अकेले विधायक अभय सिंह चौटाला ने बहुमत साबित कराने के लिए राज्यपाल से सत्र बुलाने की अपील की है।

सैनी सरकार ने बहुमत खो दिया : अभय

इनेलो के प्रधान महासचिव और ऐलनाबाद के विधायक अभय चौटाला ने राज्यपाल को पत्र लिखकर हरियाणा में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की है। पत्र में कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्पष्ट रूप से अपना बहुमत खो दिया है और उन्हें मुख्यमंत्री के पद पर बने रहने का कोई कानूनी या नैतिक अधिकार नहीं है। भाजपा सरकार को तुरंत बहुमत साबित करने के लिए विधानसभा सत्र बुलाया जाए।

आरसीबी की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें बरकरार

» लगातार चौथा मैच जीता, पंजाब किंग्स को 60 रन से दी मात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

धर्मशाला। आईपीएल 2024 मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को 60 रनों से मात दी। इस जीत के साथ ही अब आरसीबी की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें बरकरार हैं। पंजाब के खिलाफ मैच में कोहली की 47 गेंद में 92 रन की शानदार पारी आरसीबी को सात विकेट पर 241 रन के स्कोर तक पहुंचाने में अहम रही।

पंजाब किंग्स के लिए रिली रोसोऊ ने 27 गेंद में 61 रन की पारी खेली लेकिन कर्ण शर्मा के दो झटकों से उनके विकेट पतन का सिलसिला शुरू हुआ और टीम 17 ओवर में 181 रन पर सिमट गयी। आरसीबी की यह लगातार चौथी जीत है और इस जीत की बदौलत टीम 12 मैच में 10 अंक लेकर सातवें स्थान पर पहुंच गयी। वहीं पंजाब किंग्स (08) आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी क्योंकि वह बचे हुए दो मैच जीतन के बावजूद 12 अंक तक ही पहुंच पायेगी। स्वप्निल सिंह (28 रन देकर दो विकेट), कर्ण शर्मा (36 रन देकर दो विकेट) और लॉकी फर्ग्यूसन (29 रन देकर दो विकेट) ने दो दो विकेट हासिल किये जबकि मोहम्मद सिराज (73 रन देकर तीन विकेट) ने तीन विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स ने प्रभसिमरन सिंह (06 रन) का विकेट जल्दी गंवा दिया लेकिन रोसोऊ ने स्वप्निल सिंह पर दो चौके जमा दिये। इसके बाद उन्होंने मोहम्मद सिराज पर तीन चौके और एक छक्के जड़े। यश दयाल और लॉकी फर्ग्यूसन पर जॉनी बेयरस्टो (27 रन) और रोसोऊ ने क्रमश : 16 और 14 रन बनाकर पंजाब किंग्स को छह ओवर में दो विकेट पर 75 रन तक पहुंचा दिया।

कोहली और पाटीदार ने खेली अर्धशतकीय पारी

विराट कोहली और रजत पाटीदार ने अर्धशतकीय पारी खेली। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद कोहली और पाटीदार ने जीवनदान का पूरा फायदा उठाते हुए 32 गेंद में 72 रन ठोक डाले। कोहली ने जब खाता नहीं खोला था और जब वह 10 रन पर थे, उन्हें दो जीवनदान मिले। इन मौकों का पूरा फायदा उठाया और इस आईपीएल चरण का अपना छठा अर्धशतक पूरा किया। पाटीदार को भी दो जीवनदान मिले। और 23 गेंद में 55 रन की पारी के दौरान छह छक्के और तीन चौके लगाए। कोहली और कैमरून ग्रीन (27 गेंद पर 46 रन) ने इसी आक्रामक बल्लेबाजी को जारी रखते हुए 46 गेंद में 92 रन जोड़कर आरसीबी को 200 रन के पार पहुंचाया।

नहीं थम रहा बयान पर घमासान, राणा के बाद मणिशंकर की फिसली जुबान

मेरा भाई तोप है, रोक रखा है मैंने : असदुद्दीन ओवैसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। नवनीत राणा ने ओवैसी भाइयों को लेकर टिप्पणी की है, जिसके बाद ये मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। इस मामले में अब एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि मैंने छोटे को समझाने के बाद रोका हुआ है, छोड़ दूं क्या? एक बार छोटा निकल गया तो मेरे सिवा किसी की नहीं सुनेगा। किसी को मालूम नहीं है कि छोटा क्या है। वो एक तोप है जिसे मैंने रोका हुआ है, वरना जिस दिन कह दिया कि मियां मैं आराम करता हूं तुम संभालो तो...। उन्होंने कहा कि अभी मैंने रोका हुआ है तो वो सिंगल लेकर खेलता जा रहा है। अगर पूरी कमान उसे सौंप दी तो कैसी बैटिंग करेगा सोच लो। टी20 उसने शुरू किया तो तुम्हारा क्या होगा सोचो। बता दें कि ये विवाद तब शुरू हुआ है जब नवनीत राणा ने आक्रामक बयान दिया था। हैदराबाद में एक मंच पर सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था कि छोटा बोलता है कि पुलिस को 15 मिनट के लिए हटा दो हम दिखाएंगे हम क्या कर सकते है।

भारत करे पाकिस्तान की इज्जत उसके पास परमाणु बम है : अय्यर

भारत को पाकिस्तान की इज्जत करनी चाहिए। पाकिस्तान के पास परमाणु बम है। अगर हम उनकी इज्जत नहीं करेंगे और बातचीत नहीं करेंगे तो वह भारत के खिलाफ इसका इस्तेमाल करने के बारे में सोच सकते हैं। भारत को यह नहीं भूलना चाहिए कि पाकिस्तान के पास से भी रावलपिंडी में परमाणु बम है।लोकसभा चुनाव की सरगर्मियां जोरों पर है। इसी बीच कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने एक विवादित बयान दे दिया है जिसके कारण वह चर्चा में आ गए हैं। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने पाकिस्तान को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। इस बयान के बाद सियासी भूचाल आ गया है। दरअसल अपने बयान के जरिए मणिशंकर अय्यर ने पाकिस्तान के साथ बातचीत करने की वकालत की है। मणिशंकर अय्यर ने कहा कि पाकिस्तान का सम्मान करना चाहिए क्योंकि उनके पास एटम बम है। मणिशंकर अय्यर का जब से यह बयान आया है तभी से भारतीय जनता पार्टी उन पर हमलावर है। भाजपा का आरोप है की मणिशंकर अय्यर का पाकिस्तान प्रेम फिर से जाग गया है। मणिशंकर पर निशाना साधते हुए भाजपा के शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस का पाकिस्तान प्रेम खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है।

श्रीकांत के माथे पर 'मेरा बाप गद्दार है' लिखा जाना चाहिए : प्रियंका

शिवसेना (यूबीटी) की राज्यसभा सदस्य प्रियंका चतुर्वेदी ने एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बेटे श्रीकांत शिंदे के माथे पर 'मेरा बाप गद्दार'है लिखा जाना चाहिए। वहीं चतुर्वेदी के बयान पर प्रतिक्रिया दिया है। श्रीकांत मुंबई के नजदीक कल्याण लोकसभा क्षेत्र से मौजूदा सांसद और शिवसेना के उम्मीदवार हैं। शिवसेना (यूबीटी) के मुंबई उत्तर पूर्व सीट से उम्मीदवार संजय दीना पाटिल के समर्थन में बुधवार को घाटकोपर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए चतुर्वेदी ने 1975 में प्रदर्शित फिल्म 'दीवार' का संदर्भ दिया। उन्होंने कहा, ''एक हिंदी फिल्म थी जिसमें बेटे के हाथ पर लिखा था 'मेरा बाप चोर है'। इसी तरह श्रीकांत शिंदे के माथे पर 'मेरा बाप गद्दार है' लिखा जाना चाहिए।'' एकनाथ शिंदे ने जून 2022 में शिवसेना (अविभाजित)के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे से बगावत कर दी थी जिसकी वजह से ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार गिर गई थी।

राउत के दफना देने वाली टिप्पणी के खिलाफ भाजपा ने निर्वाचन आयोग व पुलिस को लिखा पत्र

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने निर्वाचन आयोग और मुंबई पुलिस को पत्र लिखकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मुगल बादशाह औरंगजेब की तरह महाराष्ट्र में 'दफनाने' की कथित टिप्पणी के लिए शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। भाजपा की महाराष्ट्र इकाई ने आरोप लगाया कि ऐसी टिप्पणियां प्रधानमंत्री के जीवन के लिए 'सीधा खतरा' है। भाजपा ने निर्वाचन आयोग को लिखे पत्र में कहा कि राउत ने अहमदनगर में आयोजित जनसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को महाराष्ट्र में दफनाने की धमकी दी थी। उन्होंने मोदी और औरंगजेब के बीच समानता दिखाने की भी कोशिश की। ऐसी टिप्पणियां संभावित रूप से सांप्रदायिक वैमनस्य को जन्म देती हैं और चुनाव प्रचार की शांतिपूर्ण प्रक्रिया को प्रभावित करती हैं। सत्तारूढ़ पार्टी ने शिकायत की, ''उनकी टिप्पणी सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जान के लिए खतरा है। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों को राउत के खिलाफ उचित कार्रवाई करनी चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में ऐसी टिप्पणियां दोहराई नहीं जाएं।

नरेंद्र दाभोलकर को मिला इंसाफ दो आरोपियों को हुई उम्रकैद

» हत्याकांड में 11 साल बाद फैसला, सचिन अंदुरे और शरद कलस्कर को सजा, 3 बरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। नरेंद्र दाभोलकर हत्याकांड में 11 साल बाद कोर्ट का फैसला आ गया है। पुणे की विषेश सीबीआई कोर्ट ने आरोपी सचिन अंदुरे और शरद कलस्कर को दोषी करार दे दिया है। अदालत ने दोनों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। वहीं डॉक्टर विरेंद्र सिंह तावड़े विक्रम भावे और संजीव पुनालकेर को बरी बर दिया है।

दाभोलकर हत्याकांड में कुल 5 आरोपी थे, जिनमें से दो को दोषी करार देते हुए तीन को बरी कर दिया गया है। वीरेंद्र तावड़े को दाभोलकर हत्याकांड का मास्टर माइंड माना जा रहा था, जिसे कोर्ट ने बरी कर दिया है।

महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के प्रमुख की 2013 में हुई थी हत्या

महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के प्रमुख नरेंद्र दाभोलकर की 20 अगस्त 2013 को पुणे में कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुणे में दाभोलकर की हत्या के बाद फरवरी 2015 में गोविंद पानसरे और उसी साल अगस्त में कोल्हापुर में एमएम कलबुर्गी की गोली मारकर हत्या की गई थी। वहीं सितंबर 2017 में गौरी लंकेश की बेंगलुरु में उनके घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुणे पुलिस ने मामले की शुरुआत जांच की उसके बाद बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश के बाद 2014 में सीबीआई ने जांच को अपने हाथ में ले लिया।

नगर निगम में हाउस टैक्स को सुधारने को पहुंची भीड़

जीआईएस सर्वे के गृहकर से परेशान हैं लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जीआईएस सर्वे में बढ़े हाउस टैक्स को सुधारने के लिए शुक्रवार को नगर निगम में कैंप लगाया गया। इस दौरान दोपहर करीब 11 बजे तक 70 लोग मौके पर पहुँचे। नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने बताया कि मौके पर अब तक 65 लोगों के मामले निर्धारित हो गए हैं। छितवापुर वार्ड के अजय ने बताया कि उनका हाउस टैक्स 292 रुपया आता था। उसको बढ़ाकर करीब 5500 कर दिया गया था।

कैंप में जब वह पहुंचे तो उनका हाउस टैक्स कम होकर 340 रुपया हो गया। ऐसे ही जोन 6 के निवासी रामचंद्र का हाउस टैक्स 500 से कम होकर 243 रुपया प्रतिवर्ष हो गया। हालांकि जीआईएस सर्वे का मामला नहीं था लेकिन 2010 से इनका हाउस टैक्स बढ़ा रहा था। डिस्ट्रिक्ट कोर्ट से रिटायर जज नरेंद्र सिंह रावल का हाउस टैक्स साढ़े 4 हजार की जगह पर 9000 आ गया है। यह मामला नगर निगम के जोन 8 का है।

नगर आयुक्त ने खुद संभाला मोर्चा

नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह को जब पता चला कि यह रिटायर जज है और चलने में परेशानी है तो अपने पास बैठकर इनका टैक्स सही करने के लिए कर्मचारियों को बोल दिया है आलमबाग निवासी सुखदेव का हाउस टैक्स जीआईएस सर्वे के बाद बढ़कर 5980 हो गया था। इसको कम कर 1798 रुपया कर दिया गया है। पहले वह 1641 रुपये बिल जमा करते थे। ऐसे में महक 157 रुपया ही उनका बिल ओरिजिनल भरना था लेकिन सर्वे में करीब 4200 तक का बिल बढ़ा दिया गया था।

यूपी से लेकर केरल तक दुर्घटनाओं ने ली जान

भीषण हादसों का शुक्रवार : पीलीभीत में अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई डीसीएम, तीन मजदूरों की मौत, 33 घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पीलीभीत। पीलीभीत में डीसीएम से मुरादाबाद से लखीमपुर खीरी जा रहे मजदूर शुक्रवार तड़के सड़क हादसे का शिकार हो गए। असम हाईवे पर गांव बिजनौर के पास डीसीएम चालक को झपकी आ गई। इससे डीसीएम अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई। 33 से अधिक घायल हुए हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को डीसीएम से बाहर निकाला और जिला अस्पताल भिजवाया।

डीसीएम में बुरी तरह से फंसे चालक को पौन घंटे बाद बमुश्किल बाहर निकाला जा सका। गंभीर हालत में उसे भी जिला अस्पताल भेजा गया। हादसे के बाद हाईवे पर दोनों ओर

वाहनों की लाइन लग गई। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहन को हटवाया। जब यातायात सुचारू हो सका। जानकारी होने पर डीएम और एसपी भी मेडिकल कॉलेज पहुंचे। उन्होंने घायलों को हाल जाना। बताया जा रहा है कि डीसीएम में करीब 50 लोग सवार थे। ये सभी मुरादाबाद से लखीमपुर खीरी जा रहे थे। ईंट भट्ठे पर मजदूरी करते थे। घायलों में कई लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस मृतकों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

बिहार में कार से घर लौट रहे तीन युवकों की जान गई

पटना। भागलपुर के नवगछिया में भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। घटना गोपालपुर थाना क्षेत्र के कटिहार-बेगूसराय एनएच 31 पर हुई। बताया जा रहा है कि कटिहार के तरफ से आ रही कार को ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार सवार तीनों लोग गाड़ी में ही फंस गए। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से कड़ी मशक्कत कर तीनों शवों को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस के अनुसार, तीनों के परिजनों को सूचना दे दी गई है। ट्रक चालक की तलाश की जा रही है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है।

केरल में दो बसों के बीच दोपहिया वाहन फंसने से दो लोगों की मौत

कोच्चि में पालारिवट्टम के पास शुक्रवार को केरल राज्य सड़क परिवहन निगम की दो बसों के बीच दोपहिया वाहन के फंस जाने से, उस पर सवार दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना सुबह छह बजकर करीब 15 मिनट पर हुई। उसने बताया कि जब दोपहिया वाहन बस के पीछे था तभी पीछे से आई एक अन्य बस ने मोटरसाइकिल और उसके आगे वाली बस में टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि मोटरसाइकिल सवार दोनों व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई और बस के चालक को हिरासत में ले लिया गया। उसने बताया कि जिस बस ने टक्कर मारी, उसमें सवार कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आईं हैं। उसने कहा, ''जांच जारी है। उसके बाद ही पीड़ितों के बारे में अधिक जानकारी उपलब्ध हो सकेगी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** – संजय शर्मा, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- **SSP/LW/NP-495/2018-2020** *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।